हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 07.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 17 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

फायर सेफ्टी आज के समय की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुरुवार को रांची के धुर्वा स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड अग्निशमन सेवा को 58 अत्याधुनिक वाहनों को समर्पित किया। वाहनों के हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन आग लगने की घटनाओं में त्वरित और प्रभावी राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आग लगने की स्थिति में शुरूआती समय सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि क्या किया जाए। ऐसे में लोग अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास करते हैं, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन आधुनिक वाहनों के शामिल होने से ऐसी परिस्थितियों में तेजी से कार्रवाई संभव होगी और जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन आग लगने की घटनाओं में त्वरित राहत और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- समारोह में नए फायर टेंडरों की मिस्ट तकनीक और अन्य आधुनिक सुविधाओं का लाइव प्रदर्शन किया गया। अधिकारियों के अनुसार ये वाहन संकरी गलियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी प्रभावी ढंग से काम करेंगे।
- हेमन्त सोरेन ने कहा कि अग्नि सुरक्षा आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है और छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

समारोह के दौरान आधुनिक फायर टेंडरों की मिस्ट टेक्नोलॉजी और अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं का लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये वाहन संकरी गलियों और घनी आबादी वाले इलाकों में भी तेजी से पहुंचकर आग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सक्षम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फायर सेफ्टी आज के समय की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। इसका प्रभाव व्यापक होता है और एक छोटी सी चूक बड़े हादसे में बदल सकती है। इसलिए राज्य सरकार लगातार अग्निशमन सेवा को आधुनिक संसाधनों और नई तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य के हर नागरिक को बेहतर और त्वरित आपदा राहत सेवाएं उपलब्ध कराना है।

विधानसभा का मानसून सत्र शुरू, रबींद्र नाथ महतो ने कहा-

विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च जनमंच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन गुरुवार को सदन में दिवंगत प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदन ने पिछले सत्र के बाद दिवंगत हुए पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों, शहीद जवानों और अलग-अलग हादसों में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने अपने प्रारंभिक भाषण में कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च जनमंच है। संविधान ने विधानमंडलों को तीन मूलभूत दायित्व सौंपे हैं, विधेयकों पर विचार कर कानून बनाना, राज्य की वित्तीय व्यवस्था एवं बजट की समीक्षा और अनुमोदन करना तथा कार्यपालिका को जनता के प्रति उत्तरदायी बनाए रखना। इन दायित्वों का प्रभावी निर्वहन ही लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की सफलता का आधार है। इन्हीं संवैधानिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए इस मानसून सत्र की कार्यसूची निर्धारित की गई है। महतो ने कहा कि इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रथम अनुपूरक बजट सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, पांच कार्य दिवस प्रश्नकाल के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिससे माननीय सदस्यों को जनहित के प्रश्नों के माध्यम से सरकार को उत्तरदायी बनाने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के प्रथम दिन गुरुवार को विधान सभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो का मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मानसून सत्र के सफल, गरिमामय एवं सार्थक संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी। वहीं, विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा

मुंबई : करीब 13 साल पुराने चर्चित तरुण तेजपाल यौन उत्पीड़न मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने गोवा की ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें मई 2021 में तरुण तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने गोवा सरकार की अपील स्वीकार करते हुए तरुण तेजपाल को दुष्कर्म और महिला की मर्यादा भंग करने का दोषी ठहराया और उन्हें 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। तरुण तेजपाल तहलका मैगजीन के संस्थापक और तत्कालीन प्रधान संपादक रहे हैं।

मानसून सत्र : रिजिजू बोले- राहुल से हुई सकारात्मक बातचीत, विपक्ष से संसद चलाने में सहयोग की अपेक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे के कारण लगातार गतिरोध बना हुआ है। सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित हो रही है। इसी बीच गुरुवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत की। रिजिजू ने इस मुलाकात को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहती है। रिजिजू ने बताया कि राहुल गांधी के साथ एक विशेष मुद्दे और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ बेहतर समन्वय चाहती है। रिजिजू के मुताबिक, राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोधी होना दुश्मन होने के बराबर नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री ने संसद के लगातार बाधित होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश में यह संदेश जा रहा है कि विपक्ष सदन को चलने ही नहीं देना चाहता। रिजिजू ने सवाल उठाया कि संसद न चलने से आखिर किसका नुकसान हो रहा है। उन्होंने साफ किया कि जनता के मुद्दों पर चर्चा होना बेहद जरूरी है।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन : सरकार से वार्ता के लिए छात्रों ने बनाई 11 सदस्यीय कमेटी, पूर्व महाधिवक्ता और वरिष्ठ पत्रकार भी शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरकार से वार्ता के लिए छात्रों ने बनाई 11 सदस्यीय कमेटी, पूर्व महाधिवक्ता और वरिष्ठ पत्रकार भी शामिल भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जारी छात्र आंदोलन गुरुवार को 13वें दिन भी जारी रहा। इस बीच आंदोलनकारी छात्रों ने राज्य सरकार के साथ प्रस्तावित वार्ता के लिए अपना आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल घोषित कर दिया है।

यह प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री आवास में होने वाली बैठक में छात्रों की ओर से भर्ती परीक्षाओं से जुड़े सभी मुद्दे और मांगें सरकार के सामने रखेगा। जेपीएससी-जेएसएससी रिफार्म मंच ने स्पष्ट किया है कि वार्ता के दौरान आंदोलन से जुड़े सभी मुद्दों, तथ्यों और मांगों को केवल छात्र प्रतिनिधि ही सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पत्रकार और कानूनविद केवल अभिभावक एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे तथा आवश्यक सलाह देंगे।

जारी सूची के अनुसार प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ पत्रकार शंभूनाथ चौधरी और विकास वर्मा, वरिष्ठ कानूनविद अजीत कुमार, रविन्द्र पासवान, पीयूष कुमार सिंह, रविन्द्र कुमार रवि, राजेश प्रसाद, नीतू कुजूर, कार्तिक सोरेन, संदीप कुमार और शालू सिंह को शामिल किया गया है।

एक नजर

माँ विन्ध्यवासिनी कॉलेज में संकाय विकास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पदमा : माँ विन्ध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पदमा में गुरुवार को शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय 'संकाय विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, स्वागत गान एवं अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से पधारी विशेषज्ञ वक्ताओं का महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार मेहता, उपसचिव अजीत कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ कार्यक्रम संयोजिका डॉ. प्रियंका कुमारी के स्वागत भाषण एवं अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार मेहता के प्रेरक संबोधन से हुआ, जबकि द्वितीय सत्र की शुरुआत महाविद्यालय के सचिव डॉ. हरि कुमार के स्वागत उद्बोधन से हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के पेशेवर कौशल, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों तथा शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विचार-विमर्श करना रहा। प्रथम तकनीकी सत्र में 'विद्यार्थियों में मनोवैज्ञानिक समस्याओं की पहचान' विषय पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एम.एड. शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अमिता कुमारी ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने शिक्षकों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी भूमिका, विद्यार्थियों के व्यवहारिक संकेतों की पहचान, तनावपूर्ण वातावरण के प्रभाव तथा प्रारंभिक स्तर पर समस्याओं की पहचान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही फिलप्ड क्लासरूम, ग्रुप लर्निंग जैसी आधुनिक शिक्षण विधियों, विद्यार्थियों में अवसाद की रोकथाम तथा शिक्षण पेशे की सीमाओं और जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की। द्वितीय सत्र में शिक्षा में उद्यमिता विषय पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एम.एड. शिक्षा विभाग की सह-प्राध्यापिका डॉ. विनीता बांकिरा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों एवं विशेषताओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एजुकेशनल स्टार्टअप्स, शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं वर्चुअल लैब्स के उपयोग, सरकारी पहलों, इस क्षेत्र की चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं पर भी विस्तार से अपने विचार रखे।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में कूल्हे का सफल ऑपरेशन

बरही : अनुमंडलीय अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत एक मरीज को कुल्हे का सफल आपरेशन किया गया।बरही प्रखंड के करसो गांव निवासी बद्री गोप का अस्पताल के विशेषज्ञ डाक्टरों की निगरानी में सफल आपरेशन हुआ।ऑपरेशन करने वाले डाक्टरों की टीम में डॉ. मयंक प्रताप, डॉ सविता कुजूर,डॉ. सचिन कुमार,विक्रम कुमार,मणिकर्जुन,मो अरशद एवं सुधीर कुमार शामिल थे। इस संबंध में अस्पताल के प्रभारी डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता होने से अब कई जटिल आपरेशन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के पात्र लाभुक इस योजना के माध्यम से लाभ नि:शुल्क इलाज करा सकते हैं। उन्होंने क्षेत्र के आमजनों से अपील की कि वे गंभीर बीमारी या शल्य चिकित्सा की आवश्यकता होने पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल में नि:संकोच आ कर इलाज करा सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में कम शुल्क में बेहतर शिक्षा का अलख जगा रहा है उच्च विद्यालय बरियट्ठा, विद्यालय प्रबंधन समिति की मुख्य भूमिका

मैट्रिक में 100% रिजल्ट, आज तक एक भी बच्चा फेल नहीं हुआ, योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों की है व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार (कृष्णा प्रजापति)

बरही : ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने वाले उच्च विद्यालय बरियट्ठा ने एक बार फिर अपनी गुणवत्ता साबित की है। कम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के कारण आसपास के 5 गांवों के अभिभावकों की पहली पसंद बना यह विद्यालय मैट्रिक परीक्षा में लगातार शत प्रतिशत परिणाम दे रहा है।

श्यामलाल यादव, प्रधानाध्यक

17 अक्टूबर 1998 को हुई थी स्थापना

विद्यालय की शुरूआत स्व. हरीलाल प्रसाद और गांगों प्रसाद महतो ने की थी। वर्तमान में यहां प्रथम से 10वीं तक 360 बच्चे नामांकित हैं, जिनमें से रोजाना औसतन 300 बच्चे उपस्थित रहते हैं। विद्यालय में 11 शिक्षक कार्यरत हैं, जो सभी उच्च शिक्षित हैं।

इस बार का रिजल्ट रहा शानदार 2026 की मैट्रिक परीक्षा में विद्यालय का प्रदर्शन बेहद बेहतर रहा।

90% बच्चों ने 80% से 90% तक अंक प्राप्त किए

10% बच्चों ने 90% से अधिक अंक लाए

विद्यालय की सबसे बड़ी खासियत यह है कि स्थापना के बाद से आज तक मैट्रिक में एक भी बच्चा फेल नहीं हुआ है। मात्र 350 रुपए में मिलती है शिक्षा प्रधानाध्यापक श्यामलाल यादव ने बताया कि ग्रामीण बच्चों को ध्यान में रखते हुए मासिक शुल्क मात्र 350 रुपए रखा गया है। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर, अनाथ और शिक्षकों के लगभग 20 से 30 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। खास बात यह है कि सभी शिक्षकों के बच्चे भी इसी विद्यालय में पढ़ते हैं। डायरेक्टर राजकुमार यादव की अहम भूमिका विद्यालय को विकास की राह पर ले जाने में डायरेक्टर राजकुमार यादव और विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ठाकुर की मुख्य भूमिका है। दोनों मिलकर हर साल नई योजनाएं बनाते हैं। इस सफलता में वरिष्ठ शिक्षक गांगो प्रसाद महतो, शंकर रवानी, जितेंद्र रवानी, रोहित कुमार यादव, प्रदीप राणा, नंदकिशोर प्रसाद, अशोक पासवान, काजल कुमारी, दीपा कुमारी और तबस्सुम प्रवीण का भी अहम योगदान है। सैकड़ों बच्चे बने सरकारी कर्मी

अब तक इस विद्यालय से पढ़कर 1 दरोगा, 3 इंजीनियर सहित सैकड़ों बच्चे विभिन्न सरकारी एवं गर सरकारी संस्थानों में नौकरियों में चयनित हो चुके हैं। सफल विद्यार्थियों में संतोष राणा, त्रिलोकी प्रसाद, रामकुमार, रघुनंदन प्रसाद, राजू कुमार, अरुण भारती सहित सैकड़ों नाम शामिल हैं। अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर ने कहा कि ₹हमारा उद्देश्य है कि गांव का हर बच्चा अच्छी शिक्षा पाए और आगे बढ़े। कम संसाधनों में भी बेहतर परिणाम देना ही हमारी पहचान है।

प्राथमिक शिक्षा से दिए गए प्रेरणादायक शिक्षा ही समाज में लाता है बदलाव : बीडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : जहां सरकारी विभागों में इन दिनों आंकड़ा प्रस्तुत योजना कार्यक्रम चलाने की मुहिम तेज है। आज भी सरकारी पदाधिकारी या कर्मी अपनी कार्य के प्रति समर्पित, समर्पण, कर्मठता, सजगता के कारण प्रेरणादायक या समाज के लिए प्रेरक के रूप में कार्य कर समाज के बीच जागरूकता लाने के लिए समय-समय पर कार्यक्रम चलाते हैं।और कार्यक्रम में भाग लेने का काम करते हैं। इसी कड़ी में पिछले दिन क्षेत्र के भ्रमण के दौरान बड़कागांव प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव गरसुल्ला उत्क्रमित मध्य विद्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन की व्यवस्था का जायजा लिया तथा बच्चों के साथ बैठकर खिचड़ी खाई। बीडीओ श्री मंडल के इस आत्मीय व्यवहार से छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रखंड विकास

पदाधिकारी श्री मंडल ने बच्चों की उत्सुकता एवं उमंगता को देखते हुए मध्यांतर के दौरान बैडमिंटन खेल रहे बच्चों के साथ बैडमिंटन खेल कर बच्चों की हौसला की अफजाई की। उन्हें बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। आगे उन्होंने विद्यालय भ्रमण करते हुए विद्यालय प्रबंधन समित के सदस्यों एवं शिक्षकों के साथ बैठक कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, स्वच्छता, बच्चों की नियमित उपस्थिति, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की थी।

सलगावां में विवाहिता की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमदाग थाना क्षेत्र के सलगावां गांव में 27 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। तीन मासूम बच्चों की मां फूल कुमारी की मौत के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति विकास कुमार साव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। मृतका फूल कुमारी बड़कागांव प्रखंड के तलसवार गांव निवासी नारायण साव की पुत्री थी। वर्ष 2018 में उसका विवाह सलगावां निवासी विकास कुमार साव के साथ हिंदू

रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के बाद दोनों के तीन बच्चे हुए। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि हंसता-खेलता परिवार एक दिन ऐसी दर्दनाक घटना का गवाह बनेगा। फूल कुमारी की मौत के बाद तीनों मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है और पूरा परिवार गहरे सदमे में है। 'बेटी को वर्षों से किया जा रहा था प्रताड़ित' मृतका की मां चैती देवी ने कटकमदाग थाना में दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि शादी के कुछ समय बाद से ही उनकी बेटी का जीवन मुश्किलों से घिर गया था। उनका कहना है कि दामाद विकास कुमार साव नशे का आदी था और नशे की हालत में अक्सर बेटी के साथ मारपीट करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि उसने घर के जेवर तक बेच दिए थे और नशे की लत के कारण परिवार में लगातार विवाद होता था। परिजनों का कहना है कि कई बार सामाजिक स्तर पर समझौता कराने का प्रयास किया गया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उनका आरोप है कि लगातार प्रताड़ना के बाद अंततः उनकी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हालांकि इस आरोप की पुष्टि अभी पुलिस जांच से होना बाकी है।

घटना के बाद पसरा मातम

फूल कुमारी की मौत की खबर जैसे ही तलसवार गांव पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन सलगावां पहुंचे। मां चैती देवी अपनी बेटी को याद कर बार-बार बेहोश हो रही थीं, जबकि अन्य परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल था। गांव में हर ओर इस घटना की चर्चा होती रही और लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

रजरप्पा से बुढ़वा महादेव तक सोमवारी पदयात्रा का भव्य आयोजन 22 अगस्त से 24 अगस्त तक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भगवान भोलेनाथ के पवित्र महीने श्रावण मास के अंतिम सोमवारी को शक्तिपीठ मां छिनमस्तीके मंदिर रजरप्पा से बड़कागांव महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर तक पैदल जल यात्रा के भव्य आयोजन को लेकर विजेता युवा क्लब कांवरिया संघ (कोयलंग) परेवातरी की बैठक किया गया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी देवों के देव महादेव को पवित्र सावन महीने के अंतिम सोमवारी को जलार्पण हेतु 22 अगस्त को शक्तिपीठ मां छिनमस्तीके मंदिर रजरप्पा के भैरवी नदी से जल उठाकर नंगे पांव 105 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए बुढ़वा महादेव स्थित प्राचीन शिवलिंग पर 24 अगस्त को जलार्पण करेंगे। मौके पर नये कमिटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, सचिव

ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, कोषाध्यक्ष पप्पू कुमार, उपाध्यक्ष सुलेखा कुमारी, रिंकू कुमार, सह सचिव अप्पु कुमार, संयोजक प्रवीण कुमार, रुपेश कुमार, साउंड प्रभारी विजय कुमार, राहुल कुमार, अनुशासन मंत्री शशि कुमार, सुरज कुमार, अनुज कुमार, रसोई प्रभारी संतोष कुमार, लक्की कुमार, अर्जुन कुमार, इन्द्रनाथ महतो, पंकज कुमार, व्यवस्थापक अवधेश कुमार, टुकेश्वर कुमार, पंकज कुमार, परिवहन मंत्री रवि कुमार, शिवराज कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी बादल कुमार, सुचना मंत्री रंजीत कुमार को बनाया गया। मौके पर सचिव ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी ने बताया कि हमारे क्लब के द्वारा 11 वर्षों से इस भव्य आयोजन को सफल पूर्वक आयोजन किया जा रहा है और निरंतर आगे भी किया जाता रहेगा। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुछ नये अवतार एवं नये अंदाज में कुछ नया देखने को मिलेगा इसकी तैयारी जोरों शोरों से की जा रही है।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र अनुपम बने एनएलसी में डिप्टी चीफ मैनेजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग के लिए गर्व का विषय है कि विभाग के पूर्व छात्र अनुपम का चयन तमिलनाडु की ख्याति प्राप्त कंपनी एनएलसी (Neyvelli Lignite Corporation) में डिप्टी चीफ मैनेजर, भूगर्भशास्त्र (Deputy Chief Manager, Geology) के प्रतिष्ठित पद पर हुआ है। अनुपम ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा यह दशार्ती है कि निरंतर प्रयास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से उच्च पदों तक पहुँचना संभव है। इस अवसर पर भूगर्भ विभाग के शिक्षकों एवं पूर्व छात्रों ने अनुपम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विभाग ने विश्वास व्यक्त किया कि अनुपम अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर विश्वविद्यालय तथा झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे। विभागाध्यक्ष डॉ एचएन सिन्हा ने कहा कि अनुपम इससे पहले त्रिवेणी, हिंडाल्को , मोनेट आदि में कार्य कर चुके हैं। अनुपम के पास कार्य का लंबा अनुभव है। उनकी सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है और यह उपलब्धि उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

15 अगस्त तक पूरी हों डीएमएफटी की सभी लंबित योजनाएं, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) मद अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के तहत स्वीकृत योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की सभी अपूर्ण योजनाओं को हर हाल में 15 अगस्त तक पूर्ण करने का निर्देश संबंधित कार्यकारिणी एजेंसियों को

दिया। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 की स्वीकृत योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि जिन कार्यकारिणी एजेंसियों के कार्यों में गंभीरता एवं अपेक्षित प्रगति नहीं पाई जाएगी, उनके जिम्मे सौंपे गए कार्यों को तत्काल निरस्त कर अन्य सक्षम कार्यकारिणी एजेंसियों को हस्तांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी मद से स्वीकृत सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत सदुपयोग सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले में डीएमएफटी मद की जितनी भी योजनाएं अपूर्ण अथवा लंबित हैं, उन सभी की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए सतत फॉलो-अप किया जाए तथा उनकी प्रगति प्रतिवेदन समय-समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन संवेदकों द्वारा कार्य निष्पादन में लापरवाही अथवा ढुलमुल रवैया अपनाया जाएगा, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, आईएएस पूर्वा अग्रवाल, जिला खनन पदाधिकारी अजीत कुमार, जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी, सभी कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में 'बेस्ट फ्रॉम वेस्ट' प्रतियोगिता, कबाड़ से बनाई आकर्षक कलाकृतियां

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से "बेस्ट फ्रॉम वेस्ट" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6वीं से 9वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने बेकार पड़े प्लास्टिक, कागज, कार्डबोर्ड एवं अन्य अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग कर आकर्षक फ्लावर पॉट, पेन स्टैंड, शो-पीस तथा दैनिक उपयोग की कई उपयोगी वस्तुएं तैयार कीं। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को 'रीयूज' और 'रीसायकल' का महत्व व्यवहारिक रूप से समझाया गया। साथ ही यह संदेश भी दिया गया कि बेकार समझी जाने वाली वस्तुओं का सही उपयोग कर पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा सकता है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की मौलिकता, नवाचार, उपयोगिता और प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि "शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करना भी है। 'बेस्ट फ्रॉम वेस्ट' जैसी गतिविधियां बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के साथ नवाचार की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय प्रबंधक विकास सिंह ने कहा कि "आज पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि बच्चे छोटी उम्र से ही पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण की आदत अपनाएं, तो वे भविष्य में एक स्वच्छ और हरित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहेगा।

संघर्ष से सफलता तक का सफर, आईआईटी धनबाद में डॉ अमनदीप का हुआ चयन

पदमा (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): पदमा प्रखंड के नवाडीह गांव के डॉ अमनदीप ने अपनी संघर्ष और कठिन परिश्रम से एक नई उपलब्धि हासिल किया है। भारत के प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), धनबाद के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में पोस्ट-डॉक्टरल शोधार्थी के पद पर हुआ है। डॉ. अमन दीप ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय मध्य विद्यालय नावाडीह से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने सैनिक स्कूल तिलैया से अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की, जहां से उन्हें अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा ली। उच्च शिक्षा के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), राउरकेला से प्रोफेसर डॉ. प्रदीप सरकार के मार्गदर्शन में अपनी पीएच.डी. पूरी की।डॉ. अमन दीप ने अपने इस सफलता का श्रेय अपने परिवार के त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने बताया कि माता श्रीमती चिंता देवी के संस्कार, पिता श्री युगल मेहता का मार्गदर्शन, दामोदर घाटी निगम में कार्यपालक अभियंता के पद पर कार्यरत और प्रयास भारत (एनजीओ) के संस्थापक बड़े भाई श्री कुलदीप मेहता की प्रेरणा और पत्नी श्रीमती बिनीता मेहता के अटूट सहयोग ने उन्हें हर कठिन परिस्थिति में आगे बढ़ने की ताकत दी। डॉ अमन दीप के चयन की खबर मिलते ही नावाडीह गांव सहित पूरे प्रखंड में खुशी का माहौल है। परिजनों, ग्रामीणों, प्रखंड वासीयों ,शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पड़रिया से दर्जनों कांवरिया देवघर-बासुकीनाथ के लिए रवाना

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): श्रावण माह के पावन अवसर पर बरही प्रखंड के पड़रिया गांव से गुरुवार सुबह दर्जनों शिवभक्त बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर एवं बाबा बासुकीनाथ धाम के दर्शन-पूजन के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बरही विधानसभा के युवा नेता एवं सोशल मीडिया प्रभारी प्रयाग प्रसाद ने अपने साथियों के साथ यात्रा प्रारंभ करते हुए कहा कि श्रावण माह भगवान भोलेनाथ की आराधना का विशेष समय होता है। बाबा बैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ के दर्शन से मन को अपार शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं की मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। इस धार्मिक यात्रा में राजू, मुकेश, पंकज, लक्ष्मण, सुदेश, चंदन, आनंद, विनोद, राजेश सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। श्रद्धालु पूरे रास्ते "बोल बम" और ₹हर-हर महादेव" के जयघोष के साथ उत्साहपूर्वक अपनी यात्रा पर रवाना हुए।

मतदाता सूची प्रकाशन में बरही प्रखंड के 13,327 मतदाता अप्राप्य के रूप में चिन्हित

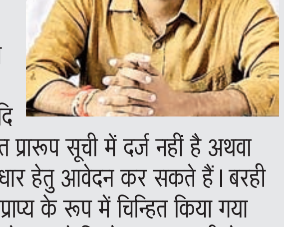

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता) : बरही के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची के प्रारुप का प्रकाशन कर दिया गया है। बरही प्रखंड में कुल 13,327 व्यक्तियों को अप्राप्य के रूप में चिन्हित किया गया है। बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 5 अगस्त को प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर कर दिया गया है। यदि किसी योग्य नागरिक का नाम प्रकाशित प्रारूप सूची में दर्ज नहीं है अथवा कोई त्रुटि है, तो वे नाम जुड़वाने या सुधार हेतु आवेदन कर सकते हैं। बरही प्रखंड में कुल 13,327 व्यक्तियों को अप्राप्य के रूप में चिन्हित किया गया है। बीडीओ ने सभी संबंधित नागरिकों से कहा है कि वे मतदाता सूची में अपनी स्थिति अवश्य जांच लें। बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि 8 एवं 9 अगस्त को बरही के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। विशेष शिविर में नागरिक किसी भी प्रकार के दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। साथ ही मतदान केंद्र पर उपस्थित होकर बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

एक नजर

चार लोगों की हत्या के सजायफ्ता को एचसी से नहीं मिली बेल

रांची : सिमडेगा में वर्ष 2018 में एक मासूम सहित चार लोगों की हत्या के दो सजायफ्ता की जमानत पर झारखंड हाईकोर्ट का फैसला आया है। कोर्ट ने दोनों सजायफ्ताओं पुनीत सोरेंग एवं निर्मल सोरेंग की जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों ने क्रिमिनल अपील दायर कर निचली अदालत की सजा को चुनौती दी है। साथ ही हस्तक्षेप याचिका दायर कर इन्होंने जमानत की गुहार लगाई थी। जुलाई 2025 में सिमडेगा की निचली अदालत ने इस हत्याकांड पुनीत सोरेंग एवं निर्मल सोरेंग को आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी। वहीं मुख्य अभियुक्त संजय सोरेंग को फांसी की सजा सुनाई थी। उनपर 20-20 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगा था। 17 मई 2018 को पाकरटांड़ थाना क्षेत्र निवासी राकेश सोरेंग अपने घर में था। इसी दौरान गांव के ही पुनीत सोरेंग, संजय सोरेंग एवं निर्मल सोरेंग वहां पहुंचे थे। वे राकेश सोरेंग से जमीन को लेकर लड़ाई-झगड़ा करने लगे। इसी दौरान नेस्तोर सोरेंग बीच-बचाव करने आया तो उसे पकड़कर उन लोगों ने टांगी से काटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद घर में घुसकर तीनों ने राकेश सोरेंग, पत्नी कारमेला सोरेंग एवं पांच वर्ष के पुत्र फिलमोन सोरेंग को भी टांगी से काट दिया था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

राहे हत्याकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने राहे थाना क्षेत्र के पारमडीह ढुंगरीटोला में हुई हत्या के आरोप में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त फरसा, एक हीरो स्प्लेंडर बाइक, मोबाइल फोन और अन्य सामान भी बरामद किए है। पुलिस के मुताबिक, 4 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि राहे थाना क्षेत्र के पारमडीह ढुंगरीटोला स्थित एक सुनसान स्थान पर एक अज्ञात व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने में कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू की। जिसमें मृतक की पहचान रांची निवासी कंचन महतो के रूप में हुई।

लापता तीनों बच्चे सकुशल बरामद आरोपी गिरफ्तार

रांची : रांची जिले के खलारी थाना क्षेत्र से एक साथ लापता हुए तीन बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी भी हुई है। 3 अगस्त को खलारी थाना क्षेत्र से तीन नाबालिग बच्चों के लापता होने का मामला सामने आया था। इसके बाद एसएसपी रांची के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक, खलारी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने बच्चों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया। इस दौरान आसपास के बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर बच्चों की खोजबीन की गई। साथ ही साथ कई सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई।

वायरल इन्फेक्शन से उबर रहे हैं सरयू राय

रांची : विधायक सरयू राय ने कहा है कि अब उनकी तबीयत पहले से काफी बेहतर है और वह जल्द ही अपनी सामान्य दिनचर्या में लौटेंगे। उन्होंने अपने समर्थकों और शुभचिंतकों से अस्पताल में मिलने नहीं आने की अपील की है। सरयू राय ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी के एक निजी अस्पताल पहुंचने के बाद यह खबर फैल गई कि वह अस्पताल में भर्ती हैं। इसके बाद उन्होंने खुद अपनी सेहत की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि 1 और 2 अगस्त को जमशेदपुर में कई कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद 3 अगस्त को भी कांवरिया सेवा शिविर और अन्य कार्यक्रमों में गए। लगातार व्यस्त रहने की वजह से उन्हें काफी थकान हो गई।

जेपीएससी-जेएसएससी विवाद: उद्योग मंत्री से मिला संयुक्त प्रतिनिधिमंडल, एसआईटी जांच समेत कई मांगें उठाईं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, प्रश्नपत्र लीक और छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों, छात्र संगठनों और सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव से मुलाकात की। बैठक में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, भर्ती प्रक्रिया में सुधार और आंदोलनरत छात्रों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री के समक्ष मांग रखी कि जेपीएससी, जेएसएससी सहित राज्य की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं, प्रश्नपत्र लीक और भर्ती प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करे। उनका कहना था कि निष्पक्ष जांच से ही अभ्यर्थियों का भरोसा बहाल होगा और दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन किसी विश्वसनीय और अनुभवी घरेलू एजेंसी से कराया जाए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और निष्पक्ष बन सके। साथ ही छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा भर्ती प्रक्रियाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने की भी मांग की गई।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि यदि परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में चल रहे आंदोलन में किसी संगठित समूह की संलिप्तता के आरोप लगाए जा रहे हैं, तो उन आरोपों की भी निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यों के आधार पर जांच कराई जाए। उनका कहना था कि इससे वास्तविक अभ्यर्थियों द्वारा चलाए जा रहे लोकतांत्रिक आंदोलन की विश्वसनीयता बनी रहेगी और किसी भी प्रकार की भ्रांति दूर होगी। उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने प्रतिनिधिमंडल की सभी मांगों और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार छात्रों की चिंताओं को संवेदनशीलता के साथ देख रही है और संबंधित विभागों के समक्ष इन मुद्दों को उठाकर आवश्यक कार्रवाई का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और निष्पक्ष बनाना है, ताकि युवाओं के हितों की रक्षा हो सके।

रांची विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ समिति की हुई बैठक

रांची : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से रांची विश्वविद्यालय में गठित "परीक्षा सुधार एवं शैक्षणिक मूल्यांकन समिति" की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को मोराबादी परिसर स्थित एकेडमिक ब्लॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति एवं समिति के अध्यक्ष प्रो. दीवान एस. रावत ने की। बैठक में इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन धमीजा, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली के डॉ. अमित सुमन, आरएलएसवाई कॉलेज, रांची के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विष्णु चरण महतो, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा के निदेशक एवं निदेशक डॉ. टी.एन. गिरी तथा प्रो. उदयन घोष सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

जेएसएससी-जेपीएससी आंदोलन के 13वें दिन छात्रों के समर्थन में पहुंचे जयराम महतो, बोले– विधानसभा में उठाऊंगा हर मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) और झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का सत्याग्रह और आमरण अनशन गुरुवार को 13वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन अब केवल जेएसएससी और जेपीएससी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी भी बड़ी संख्या में इसमें शामिल हो रहे हैं।

धरनास्थल पहुंचे विधायक जयराम महतो ने आंदोलनरत छात्रों को अपना समर्थन देते हुए राज्य सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई छात्र 13 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं और अन्न-जल का त्याग कर चुके हैं, लेकिन सरकार अब तक गंभीरता से उनकी बात सुनने के लिए आगे नहीं आई है। उन्होंने बताया कि छात्रों के परिजन लगातार चिंतित हैं और सरकार को तत्काल बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए।

जयराम महतो ने कहा कि उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति और सर्वदलीय बैठक में भी सरकार से मांग की है कि वह अपनी टीम भेजकर छात्रों से बातचीत करे और उनकी उचित मांगों का समाधान करे।

छात्रों की कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए महतो ने कहा कि कई अभ्यर्थियों ने बेहद संघर्ष कर पढ़ाई की है। प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा रद्द होने और नियुक्ति प्रक्रिया में देरी के कारण हजारों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने अपने संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि विधायक बनने से पहले उन्होंने भी आर्थिक तंगी देखी है और एक आंदोलन में शामिल होने के लिए कचौड़ी और आने-जाने के किराए के 20 रुपये तक उधार लेने पड़े थे।

उन्होंने कहा कि 25 वर्ष से अधिक उम्र के बेरोजगार युवाओं पर परिवार और समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए उनकी पीड़ा को समझना जरूरी है।

विधायक जयराम महतो ने भरोसा दिलाया कि विधानसभा के मौजूदा सत्र में वह छात्रों की सभी मांगों को मजबूती से उठाएंगे। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि जब तक विधानसभा सत्र चलेगा, वह प्रतिदिन सत्र समाप्त होने के बाद धरनास्थल पहुंचकर आमरण अनशन पर बैठे छात्रों से मुलाकात करेंगे और उनका मनोबल बढ़ाएंगे।

अदाणी फाउंडेशन ने यातायात पुलिसकर्मियों को वितरित किए छाते

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुरुवार को रांची स्थित पुलिस अधीक्षक (यातायात) कार्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अदाणी फाउंडेशन ने सिटीजन फाउंडेशन के सहयोग से यातायात पुलिसकर्मियों के बीच छातों का वितरण किया।

इस पहल का उद्देश्य बारिश के मौसम में खुले में ड्यूटी करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करना है, ताकि वे विपरीत मौसम में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुचारु रूप से कर सकें। कार्यक्रम में यातायात पुलिस उपाधीक्षक रामाकांत रजक, अदाणी पावर झारखंड के हेड कॉरपोरेट अफेयर्स संजीव शेखर, वरीय प्रबंधक रणवीर सिंह, सिटीजन फाउंडेशन की ओर से हेमंत तिर्की सहित बड़ी संख्या में यातायात पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

इस अवसर पर यातायात पुलिस उपाधीक्षक रामाकांत रजक ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बारिश के मौसम में खुले में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए यह सहयोग काफी उपयोगी साबित होगा और उन्हें अपने कार्य के दौरान सुविधा मिलेगी। वहीं अदाणी पावर झारखंड के हेड कॉरपोरेट अफेयर्स संजीव शेखर ने कहा कि अदाणी समूह समाज के विभिन्न वर्गों के हित में निरंतर कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि समूह आगे भी ऐसे जनहित एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

देश में सत्ता या विपक्ष, पेपर लीक के लिए कोई दोषी नहीं, ये माफियाओं का है काम : चमरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सदन के बाहर विपक्ष के हंगामे के बीच राज्य के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि परीक्षा में पेपर लीक का मामला अब राष्ट्रीय बीमारी की तरह है। किसी भी पार्टी की सरकार हो, देश का कोई राज्य हो, हर जगह आपको यह घटना देखने को मिलेगी। सरकार और सरकारी तंत्र चाह कर भी इन माफियाओं पर नकेल नहीं कस पा रही है। जैसे भू माफिया, शिक्षा माफिया होते हैं, अब उसी तरह परीक्षा माफिया भी हो गए हैं। ये देश भर के किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्नों को लीक कर दे रहा है। इसलिए अब जरूरत है कि सत्ता और विपक्ष समेत तमाम राजनीतिक दलों को मिल कर काम करना होगा, ऐसा फूलप्रूफ सिस्टम बनाना होगा, जिसको भेद पाना परीक्षा माफियाओं के बस का ना हो। पेपर लीक में सिर्फ सत्ता या विपक्ष को दोषी नहीं है।

झारखंड में हो रहे छात्र आंदोलन पर भी सरकार सजग और पूरी सहानुभूति रखती है। छात्रों से जल्द ही वार्ता होगी और कमिटी उनकी मांगों पर सहानुभुतिपूर्वक विचार करेगी और उन्हें आश्वस्त कराया जाएगा कि सरकार छात्रों के हर फैसले के साथ डटकर खड़ी है। छात्रों से आग्रह करते हुए चमरा लिंडा ने कहा कि परीक्षा में रिफॉर्म्स को लेकर भी ठोस सलाह देने की जरुरत है ताकि भविष्य में ऐसी घटना झारखंड में पेपर लीक की घटना देखने को ना मिले। साथ ही कहा कि सरकार विपक्ष की हर मुद्दे का, हर सवाल का जवाब देगी। विपक्ष सदन को डिक्टेट नहीं करे। सवाल करके जवाब सुनने का भी धैर्य रखे।

दावा-आपत्ति मामलों के त्वरित निपटारे का निर्देश, बिना सुनवाई किसी मतदाता का नाम नहीं हटेगा : के रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावा-आपत्ति की प्रगति की समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में दावा-आपत्ति अधिक हैं, वहां अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाए। इसके लिए सक्षम अधिकारियों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नो-मैप और तार्किक विसंगति वाले किसी भी मतदाता का नाम बिना नोटिस, सुनवाई और सक्षम प्राधिकारी के आदेश के मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। प्रत्येक मामले का निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। जिन योग्य नागरिकों का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 और घोषणा-पत्र भरकर अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

के। रवि कुमार ने युवाओं को ECINET के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म-6 भरने के लिए भी प्रेरित करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि एक ही परिवार के सभी मतदाताओं का नाम एक ही मतदान केंद्र पर दर्ज कराने के लिए आवश्यकतानुसार फॉर्म-8 भरवाया जाए।

उन्होंने कहा कि जो झारखंड के मतदाता वर्तमान में बिहार, पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों की मतदाता सूची में दर्ज हैं, वे फॉर्म-8 और घोषणा-पत्र के माध्यम से अपना नाम झारखंड स्थानांतरित करा सकते हैं।

वर्तमान ड्राफ्ट मतदाता सूची में राज्य के कुल 2,21,01,249 मतदाता शामिल हैं। सत्यापन के लिए 63,24,116 मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे। इनमें 14,03,205 नो-मैप, 3,65,684 जनांकिकीय सम-प्रविष्टि और 45,55,227 तार्किक विसंगति वाले मतदाता शामिल हैं। बैठक में दावा-आपत्ति का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में अब तक सबसे अधिक पश्चिमी सिंहभूम में और सबसे कम बारिश गढ़वा जिले में

रांची : झारखंड में अब तक सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम में और सबसे कम बारिश गढ़वा जिले में दर्ज की गई है। पश्चिमी सिंहभूम में सामान्य से 13 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है, जबकि गढ़वा जिले में अब तक 60 प्रतिशत सामान्य से कम बारिश रिकार्ड की गई है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। इधर, अगस्त माह में राज्य भर में अब तक अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग की ओर से 08 अगस्त को राज्य के दक्षिणी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों (गुमला और खूंटी) में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश जामताड़ा जिले के फतेहपुर में 110 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई है। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान बहरागोड़ा में 35 .3 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और दिन में गर्मी और उमस महसूस किया गया।

अवैध स्टोन क्रशर के संचालन पर हाईकोर्ट सख्त, जांच के लिए टीम बनाने का दिया निर्देश

रांची : राज्य में अवैध स्टोन क्रशर के संचालन की रोकथाम को लेकर दाखिल जनहित याचिकाओ की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। खंडपीठ ने सचिव, माइनिंग विभाग को चुटुपालू घाटी एवं आसपास के अन्य जगहों पर अवैध रूप से चल रहे स्टोन क्रशर के लिए टीम बनाने को कहा है। कोर्ट ने उन्हें टीम का निरीक्षण करने को कहा है। टीम में रांची डीसी, डिस्ट्रिक्ट माइनिंग ऑफिसर रांची, एसएसपी ऑफिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं स्टेट इंपैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (सिया) के प्रतिनिधियों को शामिल करने को कहा है। यह टीम रांची के चुटुपालू घाटी एवं अन्य जगहों पर स्टोन क्रशर संचालन एवं स्टोन माइनिंग की जांच करेगी। साथ ही रिपोर्ट कोर्ट को 21 सितंबर तक देगी। टीम यह देखेगी की इन इलाकों में कहां-कहां अवैध स्टोन माइनिंग हो रहा है, जिन्होंने स्टोन खनन के लिए लाइसेंस लिया है उन्होंने संबंधित अथॉरिटी (पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड एवं सिया) से क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लिया है या नहीं। अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी।

गांव छोड़ब नहीं, जेपीएससी कर लड़ाई छोड़ब नहीं : पद्मश्री मधु मंसूरी

रांची : नागपुरी लोकगायक और पद्मश्री सम्मानित कलाकार मधु मंसूरी ने गुरुवार को जयपाल सिंह स्टेडियम में आयोजित जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के आमरण अनशन कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलनरत छात्रों का समर्थन किया। इस दौरान उन्होंने अपने चर्चित नागपुरी गीत की पंक्तियां 'गांव छोड़ब नहीं, जंगल छोड़ब नहीं, माय माटी छोड़ब नहीं, जेपीएससी कर लड़ाई छोड़ब नहीं' गीत गाकर छात्रों का उत्साह बढ़ाया। उनके गीत पर अनशन स्थल पर मौजूद छात्र भी पूरे जोश के साथ स्वर मिलाते नजर आए। सभी झूमने लगे और छात्रों ने उनके बोल गुनगुनाकर झूमने लगे। उन्होंने कहा कि यह राज्य का दुर्भाग्य है कि योग्य और प्रतिभाशाली युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। आज छात्र जयपाल सिंह स्टेडियम में आमरण अनशन कर अपने हक, अधिकार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि युवाओं की यह लड़ाई न्याय मिलने तक जारी रहनी चाहिए। मधु मंसूरी ने कहा कि झारखंड राज्य गठन के समय जिस समृद्ध और न्यायपूर्ण व्यवस्था का सपना देखा गया था, वह आज भी अधूरा है। गांवों से बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर युवा शहरों में आते हैं, लेकिन यहां भी उन्हें सरकारी उपेक्षा और बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि अलग राज्य बनने के वर्षों बाद भी झारखंड के युवाओं को अपने अधिकार और रोजगार के लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना पड़ेगा।

मारवाड़ी मंच का सावन मेला-शॉपिंग फेस्टिवल शुरू डिजाइनर फैशन और एथनिक परिधान उपलब्ध

रांची : सावन माह के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से अग्रसेन भवन, अपर बाजार में गुरुवार से तीन दिवसीय सावन मेला-शॉपिंग फेस्टिवल का शुभारंभ किया गया। यह जानकारी देते हुए शाखा की मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने बताया कि यह आयोजन आठ अगस्त 2026 तक चलेगा। मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम सात बजे तक आमजनों के लिए नि:शुल्क खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यहां महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का अवसर मिल रहा है। साथ ही शहरवासियों को एक ही छत के नीचे खरीदारी और मनोरंजन, दोनों की सुविधा उपलब्ध है। मेले में विविधता से भरपूर स्टॉल लगाए गए हैं। डिजाइनर फैशन और एथनिक परिधान, ट्रेंडी ज्वेलरी, हाथ से बने हस्तशिल्प एवं गृह सज्जा के सामान, राखी, लड्डू गोपाल के आकर्षक वस्त्र-श्रृंगार, होममेड फूड, चाट-पकवान और मिठाइयों के स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए गेम्स और फोटो जोन की भी व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने बताया कि मेले के सभी स्टॉल पहले ही बुक हो चुके हैं। इस बार स्टॉलों की संख्या और उनकी विविधता दोनों पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका एवं कोषाध्यक्ष स्मिता अग्रवाल ने रांचीवासियों से सपरिवार मेले में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने और महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

एक नजर

चलती पिकप वाहन का टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलटा पिकप, कोई हताहत नहीं

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा गिरीडीह मुख्य मार्ग देवीपुर मोड़ के समीप गुरुवार की सुबह चलती पिकप वाहन का अचानक पिछे का टायर फटने से अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया, जिसमें वाहन चालक बाल- बाल बच गया। जानकारी देते हुए वाहन चालक बनारस निवासी बच्चे लाल यादव उम्र 42वर्ष पिता स्वर्गीय बाल गोविंद यादव ने बताया कि मैं अपने वाहन संख्या यु पी 65 एन टी 8695 से बनारस से पेड़ा बनाने वाला खोवा करीब पच्चीस क्विंटल लोड कर देवघर बाबा धाम जा रहे थे। इसी दौरान अचानक उक्त मुख्य मार्ग पर ही जैसे पहुचा की अचानक वाहन का पिछे चक्का का टायर ब्लास्ट हो गया।इस दौरान मेरे द्वारा बचने और बचाने का काफी प्रयास किया गया परंतु मैं तो बच गया पर अपने वाहन को नहीं बचा पाया और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया। उन्होंने बताया कि वाहन से गिरकर बिखरे समान को कीसी दुसरे वाहन से भेजने का प्रयास तथा पलटे हुए वाहन को कीसी दूसरे वाहन की मदद से उठाने का प्रयास किया जा रहा है।

15 अगस्त के बाद बिना KYC नहीं मिलेगी 14.2 किलो की रसोई गैस

जयनगर/कोडरमा : एलपीजी गैस उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। पथिक समीधा एचपी गैस एजेंसी ने बताया है कि भारत सरकार की नई गाइडलाइन के तहत 15 अगस्त 2026 से एलपीजी वितरण व्यवस्था में बदलाव लागू होने जा रहा है। एजेंसी के अनुसार, जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक KYC (केवाईसी) नहीं कराया है, उनकी 14.2 किलोग्राम घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग 15 अगस्त के बाद बंद हो सकती है। ऐसे उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे 14 अगस्त 2026 की शाम तक हर हाल में अपना ङ उ पूरा करा लें। बताया गया है कि सरकार घरेलू उपयोग के लिए 10 किलोग्राम का प्लास्टिक मटेरियल से बना विशेष एलपीजी सिलेंडर भी उपलब्ध कराने जा रही है, जिसकी कीमत वर्तमान सिलेंडर से अधिक होगी। एजेंसी ने जानकारी दी कि जो उपभोक्ता घर से बाहर हैं, वे अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से HP PAY ऐप डाउनलोड कर ऑनलाइन KYC कर सकते हैं। वहीं घर पर मौजूद उपभोक्ता डिलीवरी मैन की सहायता से या एजेंसी कार्यालय पहुंचकर भी KYC की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। एजेंसी ने सभी उपभोक्ताओं से समय रहते KYC कराने की अपील करते हुए कहा है कि अंतिम तिथि के बाद होने वाली असुविधा के लिए एजेंसी जिम्मेदार नहीं होगी। यदि चाहें, मैं इसी खबर के लिए एक छोटी ब्रेकिंग हेडलाइन और फेसबुक पोस्ट भी तैयार कर सकता हूँ।

चाचा ने धारदार हथियार से मारकर की भतीजे की हत्या

पलामू : पलामू जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के लकड़ही टोले में बुधवार की देर रात चाचा प्रभु रजवार ने अपने सगे भतीजे चनका रजवार (पिता- नंदु रजवार) की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही उंटारी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, मेदिनीनगर भेज दिया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है, जबकि मृतक के घर के बाहर सड़क पर खून के धब्बे देर रात हुई वारदात की भयावहता बयां कर रहे हैं।

जी. एस. पब्लिक स्कूल में चलाया गया नशा मुक्त भारत अभियान

नशा मुक्त भारत का लें संकल्प, यही है उज्ज्वल भविष्य का विकल्प : निदेशक नीतेश कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच स्थित जी.एस. पब्लिक स्कूल के प्रांगण में नशा मुक्त अभियान प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित विद्यालय के निदेशक नीतेश कुमार ने सम्बोधन में कहा की ब्रह्माकुमारी संस्थान के द्वारा नशा मुक्ति भारत अभियान मेडिकल विंग ब्रह्माकुमारी के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य देश में नशे की समस्या को कम करना और लोगों को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। ब्रह्माकुमारी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रही है और अपने ज्ञान और योग साधना के माध्यम से लोगों को नशा

मुक्ति के लिए प्रेरित कर रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिस्टर बी. के. जुली, सिस्टर बी. के. संगीता, सिस्टर बी. के. पूनम, सिस्टर बी. के. सुधा, सिस्टर बी. के. सुलेखा, शंकर पंडित, देव शरण सिंह,उपेंद्र बरनवाल मौजूद थें। बतादे की इस अभियान के तहत ब्रह्माकुमारी विभिन्न कार्यक्रमों और सत्रों का आयोजन कर रही है, जिनमें लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी जा रही है और उन्हें नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा, ब्रह्माकुमारी के स्वयंसेवक भी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और लोगों को नशा मुक्ति के लिए जागरूक कर रहे हैं। नशा मुक्ति भारत अभियान ब्रह्माकुमारी के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण कदम है जो देश में नशे की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। जिसमें बहुत सारे विद्यालयों में यह कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को अध्यक्ष प्रदीप सिंह , निदेशक नितेश कुमार , को डायरेक्टर नीरज कुमार, प्रिंसिपल प्रतिमा कुमारी के द्वारा मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया गया। उपस्थित प्राचार्य प्रतिमा कुमारी ने कहा की नशा मुक्त भारत अभियान को और मजबूत बनाते हुए समाज को एक नई दिशा देने का कार्य करें उन्होंने कहा कि नशा एक दिमागी बीमारी है और बार-बार होती रहती है जो नकारात्मक परिणामों के बावजूद अवांछित पदार्थ या व्यवहार का निरंतर उपयोग करता है अतः इस पर अंकुश लगाना बेहद ही जरूरी है। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक बच्चे उपस्थित हुए एवं सभी ने शपथ ग्रहण किया।

विधानसभा परिसर में भाजपा विधायकों के प्रदर्शन में शामिल हुईं डॉ नीरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए के विधायकों ने विधानसभा परिसर में JPSC और JSSC भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा विधायक "नौकरी के दुश्मन" लिखे मास्क पहनकर सदन पहुंचे और राज्य सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए JPSC-JSSC की पूरी भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई जांच कराने की मांग उठाई। साथ ही विवादित एवं त्रुटिपूर्ण परीक्षाओं को रद्द कर पारदर्शी, निष्पक्ष और शीघ्र पुनर्परीक्षा आयोजित करने की मांग की। इस प्रदर्शन में कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव भी शामिल

रहीं। उन्होंने कहा कि युवाओं के अधिकारों और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के लिए भाजपा का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा तथा सरकार को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं और नियुक्तियों में हो रही देरी से लाखों अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगी।

ग्रिजली पब्लिक स्कूल में यूकेजी के बच्चों के लिए 'किचनैट एक्टिविटी' का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : गुमो स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल में यूकेजी के छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष 'किचनैट एक्टिविटी' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल को रसोई और स्वास्थ्यवर्धक आहार की थीम के अनुसार सजाया गया था। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत शिक्षकों द्वारा बच्चों को रसोई में इस्तेमाल होने वाली बुनियादी चीजों और ताजे फलों के महत्व के बारे में बताकर की गई। इस गतिविधि को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कम उम्र में ही सुरक्षित तरीके से भोजन तैयार करने की प्रक्रियाओं और पौष्टिक आहार के फायदों से अवगत कराना था। इस तरह के व्यावहारिक आयोजनों से बच्चों में आत्मनिर्भरता, साफ-सफाई की आदत और जंक फूड की जगह स्वस्थ खाने

के प्रति जागरूकता का विकास होता है। इस गतिविधि को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया और वे अपने घरों से ही फल लेकर स्कूल आए थे। गतिविधि के मुख्य आकर्षण के रूप में यूकेजी के बच्चों ने बिना आग के इस्तेमाल से 'फ्रूट चाट' बनाना सीखा। बच्चों ने अपने साथ लाए अमरूद, केला, अनार, सेब और नाशपाती का प्रयोग कर चाट तैयार की। उन्होंने अपने हाथों से इन फलों को मिलाया और सलाद को आकर्षक तरीके से सजाया। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या निरजा ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ इस तरह के व्यावहारिक कौशल और स्वस्थ खानपान की आदतें बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने में उप-प्राचार्या वंदना नारायण, संयोजिका पूजा झा के अलावा शिक्षिका तनु प्रिया, खुशबू कुमारी, पूनम तेजपाल, मनीमाला, विकास, रोहित, सिम्मी सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक घोषित होने पर झामुमो नेता ताबिश खान सहित कार्यकर्ताओं ने जताया

बरही चौक का नाम बदलना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : यासीन खान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अलग झारखंड राज्य आंदोलन का उलगुलान करने वाले पद्म विभूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर बरही चौक का नाम होगा। बरही चौक का नाम बदलकर "दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक" घोषित किए जाने पर झामुमो कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया। झामुमो केंद्रीय सदस्य यासीन खान के नेतृत्व में बरही में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यकताओं ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे झारखंड आंदोलन के महानायक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। यासीन खान ने कहा - ₹दिशोम गुरु

शिबू सोरेन ने अपना पूरा जीवन जल, जंगल, जमीन और झारखंड के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित किया। बरही चौक का नाम उनके नाम पर रखा जाना राज्य सरकार का ऐतिहासिक और सराहनीय निर्णय है। इससे नई पीढ़ी को गुरुजी के संघर्ष और योगदान से प्रेरणा मिलेगी। झामुमो युवा नेता मो. ताबिश ने कहा - ₹राज्य सरकार ने गुरुजी के सम्मान में जो निर्णय लिया है, उसका झामुमो कार्यकर्ता स्वागत करते हैं। यह निर्णय झारखंड की अस्मिता और आंदोलन के इतिहास को सम्मान देने वाला कदम है।₹ बरही चौक का अब गौरव और बढ़ेगा। हम सब बरही वासी अपने आपको भी गौरन्वित महसूस कर रहे हैं। गौरतलब हो कि 4 अगस्त को बरही चौक पर स्व शिबू सोरेन जी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित किया गया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा नेता एवं समाजसेवी ताबिश खान का अहम भूमिका थी। कार्यकताओं ने कहा कि दिशोम गुरु के आदर्शों पर चलते हुए पार्टी गांव-गांव तक लोगों के हक की लड़ाई जारी रखेगी। बैठक में कारण कुमार, अंकु सिंह, अशोक यादव, तलत अमीन, राजू आलम, डब्लू उर्फ मेहताब, पंचायत समिति सदस्य मो. सागिर, मो. माहुरूफ, मो. निजाम, तनवीर आलम, पवन सोनी, दीपक कुमार, मो. परवेज एवं मो. गुलजार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रघुनियाडीह में पहली महिला नूरी इज्तिमा आयोजित, दीनी तालीम पर दिया गया विशेष जोर

जयनगर : रघुनियाडीह स्थित नूरी मोहल्ला में गुरुवार को जामिया फातिमा लिलबनात की ओर से पहली महिला नूरी इज्तिमा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर दीन-ए-इस्लाम की आवश्यक शिक्षाओं को सुना और अमल करने का संकल्प लिया। इज्तिमा में जामिया की शिक्षिकाओं ने मुस्लिम बच्चियाँ और फि त्ना-ए-इरतिदाद कारण और समाधान विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं सादिसा और खामिसा की छात्राओं ने वुजू के जरूरी मसाइल, वुजू से संबंधित प्रचलित गलतफहमियों का निराकरण, गुस्ल के आवश्यक मसाइल, गुस्ल से जुड़ी भ्रांतियों का समाधान तथा कपड़ों को पाक करने की सही विधि का प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

पीएम आवास योजना में बदहाली: 288 फ्लैटों में पानी, सफाई, सुरक्षा सब फेल

कोलघट्टी परिसर में 1000 लोग परेशान, किराये पर देने के भी लगे आरोप

प्रत्यूष नवबिहार (मोहन राणा)

हजारीबाग : गरीबों को पक्का मकान और सम्मानजनक जीवन देने वाली प्रधानमंत्री आवास योजना का हजारीबाग में हाल बेहाल है। नगर निगम के वार्ड-1 स्थित कोलघट्टी स्थित पीएम आवास परिसर में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। 288 फ्लैटों में रहने वाले करीब 1000 लोग पानी, सफाई और सुरक्षा के लिए रोज जूझ रहे हैं।

गंदगी और बदबू का अंबार

परिसर में घुसते ही कूड़े के ढेर और जाम नालियां दिखती हैं। बारिश का पानी जमा होने से पूरे इलाके में दुर्गंध है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से बीमारी का डर सताता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सफाईकर्मी कभी-

कभार आते हैं, नियमित सफाई नहीं होती।

पेयजल संकट से महिलाएं परेशान

यहां सबसे बड़ी समस्या पानी की है। समय पर सप्लाई नहीं आती। महिलाओं को घर का काम छोड़कर पानी जुटाने में दिन निकल जाता है। बच्चों और बुजुर्गों को भी दिक्कत हो रही है। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। रात होते ही असुरक्षा का माहौल परिसर में स्ट्रीट लाइट कम हैं और सीसीटीवी भी नहीं लगे हैं। सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं होने से रात में असामाजिक तत्वों का डर बना रहता है। लोगों ने चोरी और छेड़खानी की घटनाएं होने की भी बात कही। महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

किराये पर चढ़ाए जा रहे फ्लैट

स्थानीय लोगों ने आवंटन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि कई लाभुक खुद यहां नहीं रहते, बल्कि फ्लैट को किराये पर दे दिया गया है। कुछ लोगों के पास एक से ज्यादा फ्लैट होने की भी चर्चा है। इससे जरूरतमंद पात्र लोग योजना के लाभ से वंचित रह गए हैं।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

लोगों ने मांग की है कि परिसर की नियमित सफाई हो, पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए, सुरक्षा बढ़ाई जाए और फ्लैटों की जांच कर नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाए।

क्या बोले लोग

"सरकार ने छत तो दी, लेकिन यहां जीना मुश्किल कर दिया। न पानी है, न सफाई, न सुरक्षा।" - एक लाभुक

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीबों का जीवन सुधारना है। लेकिन कोलघट्टी परिसर की स्थिति देखकर लगता है कि योजना का क्रियान्वयन कागजों तक सीमित रह गया है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और नगर निगम कब इन 1000 लोगों की समस्याओं का समाधान करता है।

संक्षिप्त खबरें

बुंडू उत्क्रमित उच्च विद्यालय को 10+2 में अपग्रेड करने की मांग, शिक्षा सचिव से मिले विधायक

बड़कागांव : विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और उच्च शिक्षा की सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने महत्वपूर्ण पहल की है। गुरुवार को उन्होंने रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से विधायक रोशन लाल चौधरी ने हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बुंडू केरेडारी को 10+2 विद्यालय में उत्क्रमित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि विद्यालय के आसपास लगभग 5 से 10 किलोमीटर की दूरी तक कोई भी 10+2 विद्यालय उपलब्ध नहीं है। इसके कारण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए दूरस्थ विद्यालयों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आगे विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि विद्यालय को 10+2 में उत्क्रमित किए जाने से क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्चतर माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी पढ़ाई जारी रखने में काफी सहूलियत होगी और शिक्षा का स्तर बेहतर होगा। मुलाकात के दौरान शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने विधायक द्वारा उठाए गए इस जनहित के मुद्दे पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस मांग पर विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया के तहत विचार किया जाएगा। आगे विधायक रोशन लाल चौधरी ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार शीघ्र ही इस महत्वपूर्ण मांग पर निर्णय लेकर क्षेत्र के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। आगे विधायक श्री चौधरी कि शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बच्चे को बेहतर एवं सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे।

हाथी हमले में जान गंवाने वाले दो ग्रामीणों के परिजनों को मिला मुआवजा चेक

मरकच्चो : मरकच्चो थाना अंतर्गत जामु पंचायत में गत दिनों जंगली हाथी के हमले में जान गंवाने वाले दो ग्रामीणों के परिजनों को वन विभाग की ओर से आर्थिक सहायता चेक के माध्यम से जामु पंचायत भवन में सोपा गया विभागीय अधिकारियों ने मृतकों के आश्रितों को सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि का चेक प्रदान करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मालूम हो कि मरकच्चो प्रखंड के ग्राम पंचायत जामु निवासी उपेंद्र कुमार 40 वर्ष पिता बिहारी साव को हाथियों ने 3 अप्रैल 2026 को कोडरमा जिला के जयनगर शिवम होटल में कार्य करने के दौरान हाथियों ने मार दिया था वहीं जामु पंचायत के ही ग्राम हरलाडीह निवासी सीता देवी पति स्वर्गीय रामचंद्र शाह की मृत्यु बगल के जंगल में महुआ चुनने के दौरान 29 मार्च 2026 को हाथियों द्वारा कुचलने से मौत हो गई थी। मुआवजा दिलाने को लेकर पूर्व जिप अध्यक्ष कोडरमा व झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता के द्वारा मुआवजा दिलाने में काफी प्रयास किया गया। गुरुवार को जामु पंचायत भवन में कार्यक्रम आयोजित कर उक्त दोनों मृतक परिवारों को वन विभाग के द्वारा शालिनी गुप्ता की उपस्थिति में वन क्षेत्र पदाधिकारी रवींद्र कुमार ,वन रक्षी अभिमन्यु कुमार के द्वारा तीन लाख पचहत्तर हजार रुपये का मुआवजा चेक प्रदान किया गया। इस मौके पर शालिनी गुप्ता ने कही की इसके पूर्व पीड़ित परिवार को 25-25 हजार रुपए तत्काल दिए गए थे और अभी वन विभाग की करके चेक दिया गया पहले चार लाख का प्रावधान था लेकिन अब 10 लाख मुआवजा दिए जाने का प्रावधान आ गया है इस मौके पर समाजसेवी रविंद्र गुप्ता ,रवि शंकर तिवारी उर्फ मंटू, संजय सिंह ,रोहित वर्णवाल समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

पीवीएसएस डीएवी में हिरोशिमा दिवस पर श्रद्धांजलि सभा विद्यार्थियों ने दिया विश्व शांति और अहिंसा का संदेश

झुमरी तिलैया : पीवीएसएस डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा में 6 अगस्त को हिरोशिमा दिवस के अवसर पर एक गरिमामय एवं भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों में विश्व शांति, मानवता, बंधुत्व एवं अहिंसा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से परमाणु युद्ध की भयावहता तथा शांति के महत्व को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। आराध्या सिंह ने अंग्रेजी में तथा प्रत्युषा कुमारी ने हिन्दी में अपने ओजस्वी भाषणों के माध्यम से हिरोशिमा दिवस के ऐतिहासिक महत्व एवं विश्व शांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सभ्यता सिंह ने हिन्दी कविता तथा अनुष्का गुप्ता ने अंग्रेजी कविता की मार्मिक प्रस्तुति देकर युद्ध की विभीषिका और मानवता के संदेश को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। कुमुद सिंह ने हिरोशिमा दिवस से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों से सभी को अवगत कराया, जबकि निष्ठा गुप्ता ने एक रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन कर उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि की। कार्यक्रम में नंदिनी कुमारी ने शिव तांडव पर आधारित नृत्य-नाट्य की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर बुराई के विनाश तथा शांति एवं मानव कल्याण के संदेश को कलात्मक रूप में अभिव्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी मानव इतिहास का अत्यंत दुःखद एवं काला अध्याय है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि युद्ध केवल विनाश, पीड़ा और मानवता की क्षति लाता है, जबकि शांति, सह-अस्तित्व और सद्भाव ही मानव सभ्यता की वास्तविक शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक का उपयोग सदैव मानव कल्याण एवं विकास के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शांति, प्रेम, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित रहने तथा समाज में भाईचारे का वातावरण स्थापित करने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं मार्गदर्शन में विद्यालय की शिक्षिकाएँ वीणा कुमारी एवं लक्ष्मी कुमारी तथा शिक्षक संदीप कुमार, आर. पी. वर्मा और सूर्यकांत मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सरायकेला पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी 22 लाख के तीन इनामी नक्सली गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां पुलिस ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व, सटीक खुफिया तंत्र और सुरक्षा बलों के बेहतर समन्वय से वर्षों पुरानी सबसे बड़ी चुनौतियों का भी प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी के नेतृत्व में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस, सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर, एसएसबी और कोबरा की संयुक्त कार्रवाई में तीन कुख्यात इनामी माओवादियों की गिरफ्तारी ने कोल्हान और सारंडा में सक्रिय माओवादी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। गिरफ्तार नक्सलियों में 15 लाख रुपये का इनामी मदन महतो उर्फ शंकर, 5 लाख रुपये का इनामी बिरेन सिंह उर्फ सागर उर्फ रवि सरदार तथा उसकी पत्नी 2 लाख रुपये की इनामी मीना पहाड़िया उर्फ मौरा उर्फ नीपू शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इनकी गिरफ्तारी से संगठन की रणनीतिक और सैन्य क्षमता दोनों कमजोर हुई हैं तथा अब शीर्ष माओवादी असीम मंडल उर्फ आकाश तक पहुंचने का रास्ता भी आसान हो सकता है। छापेमारी के दौरान सुरक्षाबलों ने एक एके-47 रायफल, एक इंसास रायफल, 9 एमएम पिस्टल, एके-47 के 361 जिंदा कारतूस, 42 पिस्टल की गोलियां, कोडेक्स वायर, वॉकी-टॉकी, पल्सर मोटरसाइकिल समेत अन्य सामग्री बरामद की है। बरामद हथियार इस बात का संकेत हैं कि गिरफ्तार नक्सली किसी बड़ी वारदात की तैयारी में भी हो सकते थे। पुलिस के अनुसार मदन महतो करीब 25 वर्षों तक माओवादी संगठन में सक्रिय रहा और उसके खिलाफ झारखंड तथा पश्चिम बंगाल में 41 मामले दर्ज हैं। उस पर सुरक्षा बलों के 62 जवानों की हत्या से जुड़े मामलों में भी आरोप है। वहीं बिरेन सिंह संगठन का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता था और उसके खिलाफ 43 मामले दर्ज हैं। मीना पहाड़िया विस्फोटक तैयार करने, आईईडी लगाने और रसद व्यवस्था संभालने में अहम भूमिका निभाती थी। प्रारंभिक पूछताछ में तीनों ने एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी असीम मंडल उर्फ आकाश के नेटवर्क से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। सुरक्षा एजेंसियों को उम्मीद है कि पूछताछ से हथियारों के ठिकानों, लेवी तंत्र, सहयोगियों और भूमिगत दस्तों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी, जिससे आगे की कार्रवाई और तेज होगी। इस अभियान की सफलता पर सीआरपीएफ के कमांडेंट पवन कुमार सिंह ने भी पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी की सराहना करते हुए कहा कि लोडेड अत्याधुनिक हथियारों से लैस खूंखार नक्सलियों को गिरफ्तार करना बेहद जोखिम भरा कार्य था। उन्होंने कहा कि एसपी ने साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए अभियान को सफल बनाया। उनका यह भी कहना था कि अब क्षेत्र में गिने-चुने नक्सली ही बचे हैं और जल्द ही उनके खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

सांप के काटने से युवक हुआ मूर्छित

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के मध्य पियारपुर गांव में गुरुवार को सांप के डसने से एक युवक मूर्छित हो गया। घायल की पहचान नजीर शेख के पुत्र नईम शेख (29) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नईम शेख गांव के समीप पानी में पटवा काटकर उसे डुबाने का काम कर रहा था। इसी दौरान पानी में छिपे जहरीले सांप ने उसके पैर में डस लिया। सांप के डसते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। परिजन व ग्रामीण तत्काल उसे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल, राजमहल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

धनबाद में 23,612 राशन कार्ड होंगे निरस्त, कार्रवाई शुरू

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर जिले में 23,612 राशन कार्ड निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग के निर्देश के तहत की परफॉर्मेंस इंडिकेटर में चिन्हित सरकारी कर्मचारी, आयकर दाता और ग्रॉस टर्नओवर श्रेणी के लाभुकों पर यह कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन के अनुसार चिन्हित लाभुकों में 21,996 आयकर दाता, 1,493 ग्रॉस टर्नओवर श्रेणी के और 123 सरकारी नौकरी करने वाले शामिल हैं। झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2024 के एक्सक्लूजन क्राइटेरिया के तहत इन सभी लाभुकों और उनके परिवार के सदस्यों के राशन कार्ड निरस्त किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्रवाई शुरू कर दी है।

काम के दौरान मिस्त्री की करंट लगने से मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत दुधबिला पंचायत के बेतेरकेया गांव में गुरुवार को बिजली मरम्मत कार्य के दौरान 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आने से बिजली विभाग में कार्यरत मिस्त्री रवि चाम्पिया की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजा और आश्रित को सरकारी नौकरी की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, रवि चाम्पिया रोज की तरह सुबह करीब 9:30 बजे 11 हजार वोल्ट के पोल पर चढ़कर बिजली तार जोड़ने का कार्य कर रहे थे।

इसी दौरान लाइन में अचानक बिजली प्रवाहित हो गई, जिससे वे करंट की चपेट में आ गए और उनकी झुलस जाने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि कार्यरत मिस्त्री को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया जाता है और सुरक्षा मानकों का पालन भी नहीं किया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने कार्यपालक अभियंता और सहायक अभियंता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी और 20 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग उठाई गई।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सुबह हुई घटना के कई घंटे बाद तक विभाग की ओर से संतोषजनक लिखित आश्वासन नहीं दिया गया, जिसके बाद बिना मांग पूरी किए ही शव को उठाया गया।

तिरूलडीह में अवैध बालू परिवहन का आरोप, पूर्व जिप उपाध्यक्ष ने प्रशासन से की जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : तिरूलडीह थाना क्षेत्र में नीलाम बालू की आड़ में अवैध बालू परिवहन और सीज वाहनों को छोड़ने का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सह ग्राम प्रधान अशोक कुमार साहू ने लगाया है।

अशोक साहू ने बताया कि बुधवार को तिरूलडीह में एक ओवरलोड बालू लदा हाइवा पकड़ा गया था। सूचना पर जिला खनन पदाधिकारी के निर्देश पर वाहन को साक्ष्य के रूप में थाना में सुरक्षित रखा गया था। लेकिन आरोप है कि रातों-रात थाना से हाइवा को छोड़ दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व में जो बालू सीज था और नीलामी भी नहीं हुई थी उसे भी नीलाम बालू की आड़ में प्रशासन के कुछ लोगों की सांठगांठ से बेच दिया गया। दो दिन पहले बिना चालान के बालू लदे दो हाइवा को ग्रामीणों ने पकड़कर थाना प्रभारी को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने दोनों वाहनों को भी छोड़ दिया।

कार्रवाई की मांग

अशोक साहू ने कहा कि इस संबंध में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और जिला खनन पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वैध बालू के नाम पर दिन-रात अवैध परिवहन किया जा रहा है। जल्द ही इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों का आधिकारिक बयान नहीं मिल पाया है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा अनगड़ा मंडल की संगठनात्मक बैठक संपन्न संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों पर हुआ मंथन

अनगड़ा : भारतीय जनता पार्टी अनगड़ा मंडल में संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष सुनील महतो की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्य बिंदु पर चर्चा किया गया। एसआईआर को लेकर चर्चा मोदी जी का 12 साल बेमिसाल कार्यकाल में प्रबुद्ध जनों को स्वागत कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती आने वाला 6 जुलाई को है जिसे स्मृति दिवस के रूप में मानना है। बैठक में उपस्थित खिजरी विधानसभा के लोकप्रिय पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, रांची जिला ग्रामीण के जिला अध्यक्ष विनय महतो, धीरज, रांची जिला पूर्वी के प्रभारी अशोक शर्मा, अनगड़ा मंडल के प्रभारी आरती कुजूर, जिला महामंत्री सतदेव मुंडा, जिला उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, अनुराधा मुंडा, माधुरी देवी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू, जिला मीडिया प्रभारी रामसय मुंडा, मंडल महामंत्री अजय कुमार सिंह, भोक्ता मंडल उपाध्यक्ष धनेनाथ महतो, परमेश्वर महतो, पुशनाथ मुंडा, संतोष महतो, मंडल मंत्री सोनू महतो, रामेश्वर महतो, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनाथ महतो, जागेश्वर महतो, अजय कुमार महतो, पूर्व महामंत्री गम लाल महतो, देवनाथ महतो, रामकुमार नायक, रतिया नायक, उमेश नायक, पुनीलाल महतो, जागेश्वर महतो, बिरजा मुंडा, नीलकंठ चौधरी आदि उपस्थित हुए।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर सीएचसी अमड़ापाड़ा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमड़ापाड़ा : जिले में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अमड़ापाड़ा में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. खालिद अहमद की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एएनएम, जीएनएम एवं सीएचसी के अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. खालिद अहमद ने जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराने तथा जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जन्म के तुरंत बाद कराया गया स्तनपान शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और डायरिया, संक्रमण सहित कई गंभीर बीमारियों से बचाव में सहायक होता है। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवम ने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम एवं संपूर्ण आहार है। इसलिए प्रत्येक मां को अपने शिशु को जन्म से छह माह तक केवल स्तनपान कराना चाहिए। वहीं पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर दुर्गेश दुबे ने विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान समुदाय स्तर पर संचालित की जाने वाली जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में स्तनपान को बढ़ावा देने वाले विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया तथा सभी उपस्थित लोगों को स्तनपान प्रोत्साहन की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर महिला चिकित्सा पदाधिकारी, पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यालय के पास जलजमाव से बढ़ी संक्रमण की आशंका, ग्रामीणों ने जल निकासी की मांग उठाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोड़ाम : बोड़ाम पंचायत के केन्दडीह गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास जलजमाव की स्थिति बन गई है। विद्यालय के सामने जल जमाव होने से मलेरिया और अन्य संक्रामक रोग फैलने का भय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थलपर पानी का ठहराव होने से आसपास के आधा दर्जनों घरों में भी पानी घुसता जिससे घर के धसने का संभावना हो गया है। प्रबंधन समिति अध्यक्ष अशोक महतो ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय से प्रकाश महतो के घर तक सड़क के किनारे जल निकाली नाली के अभाव में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जिस कारण सड़क किनारे स्थित कई मिट्टी के घर प्रभावित हुई है। प्राथमिक विद्यालय केन्दडीह का चारदीवारी भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण युवा प्रकाश महतो ने बताया कि पूरे टोला में दर्जनों घर उस जलजमाव के कारण प्रभावित हैं।अधिक वर्षा होने से कई मिट्टी के घरों में पानी भर जाता है।वहीं कई पक्के घरों के दीवारों में भी दरार दिखाई देता है। प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान करें। प्राथमिक विद्यालय की रसोईया चायना महतो कहती है कि विद्यालय के पास में जलजमाव के कारण स्कूल के आंगन ने हमेशा भिगा रहता है। वयस्क लक्ष्मीकान्त महतो कहते हैं कि हमारे पंचायत क्षेत्र में मलेरिया का प्रकोप बढ़ चुका हैं। मलेरिया के प्रभाव से एक बच्ची का मौत भी हुआ है।यदि विद्यालय के पास जलजमाव की स्थिति बनी रही तो मच्छरों के प्रभाव से मलेरिया का प्रभाव बढ़ेगा। जिससे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के साथ अंधारझोर टोला केन्दडीह के ग्रामीण भी मलेरिया के चपेट में आ जाएंगे। महिला सुभद्रा महतो और परेश नाथ महतो कहते है कि जल निकासी नाली के अभाव में जलजमाव से हमारा मिट्टी का घर टूटने लगा है। यदि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों या अधिकारियों के साथ सरकार ने मामले को ध्यान नहीं दिया तो बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। इनका घर हुआ प्रभावित प्रकाश महतो, दीनबंधु महतो, विद्याधर महतो, फटू लाल महतो, शंकर महतो, षष्ठी चरण महतो, परेश महतो, अर्जुन कर्मकार, भीम कर्मकार सहित पूरा पाड़ा, विद्यालय भवन सहित कई मकान के पिछले हिस्से में जल निकासी नहीं होने के कारण पूरा पानी भरा हुआ है।

नामकुम में कांग्रेस मिलन समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नामकुम : खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के नेतृत्व में 7 अगस्त को नामकुम चौक में कांग्रेस मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। मिलन समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी का दामन थामेंगे। सभी को कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण कराया जायेगा। जिसमें मुख्य रूप से कांग्रेस सह प्रभारी बेला प्रसाद, पूर्व राज्यसभा प्रत्याशी प्रणव झा, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामा खलखो, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, झारखण्ड सरकार के मंत्री दिपिका सिंह पाण्डेय, मंत्री इरफान अंसारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सह रांची लोकसभा सांसद सुबोधकांत सहाय, रांची लोकसभा प्रभारी सह कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस प्रभारी रियाजुल अहमद, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा, रांची जिला ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष मेरी तिर्की एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कल की कांग्रेस मिलन समारोह की तैयारी को लेकर खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक के उप नेता राजेश कच्छप ने सभा स्थल पर बैठक कर तैयारी का जायजा लिया। बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा, रमेश पाण्डेय, प्रखण्ड अध्यक्ष विजय मुण्डा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनु बेक, मिनू सिंह, सुनील उरांव, रंजीत बड़ाईक, चमन रजक, अरूण गोप, कृष्णा गोप, शंकर पाण्डेय, मुरलीधर कुमार, मनोज मेहता, थेयफिल सांगा, पुनीत तिग्गा, पंचू तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय, चतरा

सूचना

निदेशालय पत्रांक 959, दिनांक–05.08.2026 के आलोक में दिनांक 10.08.2026 को समय सुबह 10:00 से संध्या 05:00 बजे तक ITI Simariya (Chatra) में अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है।

5 वीं उत्तीर्ण से लेकर Graduate ,और तकनीकी योग्यताधारी– ITI, डिप्लोमा, B Tech एवं कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी अप्रेन्टिसशिप मेले में उपस्थित होकर इसका लाभ उठा सकते है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने Aadhar Linked Mobile Number, Pan Card/ Aadhar/ Driving Licence ,एक पासपोर्ट साइज फोटो, Email id एवं आवासीय प्रमाण पत्र सहित शैक्षणिक पत्रों के साथ भाग ले सकते है।

जिला नियोजन पदाधिकारी–सह–सहायक शिक्षुता सलाहकार चतरा

PR 386773 Labour Employment and Traning(26-27)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर अन्तर्गत आमंत्रित ई–प्रोक्योरमेन्ट अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–**DWSD/SR/DT/Med-08/2026-27 (1st Call)** (नलकूपों का पुर्नस्थापन कार्य) जो PR No. 385836 (Drinking Water and Sanitation) 26-27*D द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित है। जिसे अपरिहार्य कारणों से निविदा की तिथि निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

क्र0 सं0	विवरण	पूर्व में प्रकाशित तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय
1	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	01.08.2026 / 02.30 बजे अपराह्न में।	07.08.2026 / 02.30 बजे अपराह्न में।
2	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	07.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।	13.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।
3	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	07.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।	13.08.2026 / 5.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	08.08.2026 / 05.00 बजे अपराह्न में।	14.08.2026 / 05.00 बजे अपराह्न में।

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर।

PR.NO.386749 Palamu(26-27):D

MINOR IRRIGATION DIVISION, KHUNTI

e-Procurement Notice

Tender Reference No.-MID/KHUNTI/F_2-1/2026-27 Date :-04.08.2026

	Group No.	Name of Scheme	Estimated Cost (Rs. In Lakh)
1.	01	Construction of small bridge and guard wall at Lohra Toli of Village Gitilbeda under Purnanagar Panchayat,Block-Arki,District.-Khunti.	23.057
	02	Construction of small bridge between Village Kedli and Chhota Kedli under Chhata Panchayat, Block-Karra,District-Khunti.	38.525
	03	Construction of small bridge between Tetar Toli and Jabra Village under Jurdag Panchayat, Block-Karra,District-Khunti.	38.466
2.	Time of Completion	180 Days	
3.	Date of Publication of E - Tender on website	20.08.2026 at 2.00 PM	
4.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	27.08.2026 up to 5:00 PM	
5.	Last Date for online Submission of Tender fee and EMD	e-Procurement Portal **(jharkhandtenders.gov.in)** 27.08.2026 up to 5:00 pm	
6.	Date of Opining Tender	29.08.2026 at 2:00 PM	
7.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Khunti.	
a.	Contact no. & Email ID of e-Procurement officer	06528-295012 midivkhunti@gmail.com	
b.	Helpline number of e-Procurement cell	06528-295012	

Note :-(1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Khunti.

PR 386828 Minor Irrigation(26-27)#D

लिट्टीपाड़ा में नकली विदेशी शराब फैक्ट्री पर पुलिस की छापेमारी, एक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के करणघाटी गांव में अवैध विदेशी शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मौके से नकली ब्रांडेड शराब बनाने में प्रयुक्त बोतलें, स्टिकर, ढक्कन, स्प्रिट सहित अन्य सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को 5 अगस्त को सूचना मिली थी कि करणघाटी गांव में जितेन साहा एवं तारेश साहा अपने घर के पीछे स्थित झोपड़ी में अवैध रूप से विदेशी शराब तैयार कर उसकी खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 100 खाली 180 एमएल की कांच की बोतलें, 40 खाली 375 एमएल की बोतलें, रॉयल स्टेग ब्रांड के विभिन्न आकार के स्टिकर, सील स्टिकर, 150 प्लास्टिक ढक्कन, 20 भरी हुई 180 एमएल शराब की बोतलें तथा करीब 20 लीटर स्प्रिट से भरा एक प्लास्टिक जार बरामद किया। कार्रवाई के दौरान तारेश साहा (पिता- स्व. लेग्डा साहा), निवासी करणघाटी, थाना लिट्टीपाड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके विरुद्ध लिट्टीपाड़ा थाना कांड संख्या 44/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 274/275 तथा उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए), (बी) एवं (डी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। वहीं मामले का दूसरा आरोपी जितेन साहा फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। छापेमारी दल में लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी विवेक कुमार, सिमलॉग ओपी प्रभारी बलवंत दुबे, अनिल कुमार पंडित, विपिन कुमार, अशोक प्रसाद यादव एवं लिट्टीपाड़ा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

परंपरा और संविधान के बीच संतुलन तलाशता समाज

हरियाणा के जींद जिले में नौगामा खाप की महापंचायत द्वारा प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के 21 गांवों में प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी कथित निर्णय ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो समय-समय पर भारतीय समाज के सामने खड़ी होती रही है- क्या सामाजिक परंपराएं किसी बालिग नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से ऊपर हो सकती हैं? यह विवाद केवल एक पंचायत या एक गांव तक सीमित नहीं है बल्कि बदलते भारतीय समाज, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संतुलन की चुनौती को भी सामने लाता है। खाप पंचायतों का इतिहास सदियों पुराना है। ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में उनकी सकारात्मक भूमिका रही है इसलिए उन्हें नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। किंतु जब कोई निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करता दिखाई देता है, तब उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट कर चुका है कि दो वयस्कों का सहमति से किया गया विवाह कानून की दृष्टि में पूरी तरह वैध है। ऐसी स्थिति में किसी सामाजिक संस्था द्वारा ऐसे विवाहों पर रोक लगाने या सामाजिक बहिष्कार की घोषणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक युवती का वीडियो चर्चा का केंद्र बन गया। उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसे केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर टाला नहीं जा सकता। उसका प्रश्न था कि जब हरियाणा में वर्षों तक कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कियों की संख्या कम होती रही और अनेक परिवार दूसरे राज्यों से महिलाओं को खरीद कर विवाह करने लगे, तब समाज की सामूहिक चेतना उतनी मुखर क्यों नहीं दिखाई दी? यदि सहमति से किया गया प्रेम विवाह सामाजिक संकट माना जाता है तो मानव तस्करी जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई जाती? यह प्रश्न केवल खाप पंचायतों के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है। दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और बेटियों के प्रति भेदभाव जैसे अनेक सामाजिक संकट आज भी हमारे सामने हैं। यदि समाज की सामूहिक शक्ति इन समस्याओं के समाधान में अधिक सक्रिय हो तो उसका सकारात्मक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होगा। यह भी सत्य है कि हर प्रेम विवाह सफल नहीं होता। कई बार जल्दबाजी, अपरिपक्व निर्णय या पारिवारिक संवाद की कमी से रिश्तों में तनाव पैदा होता है। माता-पिता की चिंताएं भी कई बार वास्तविक होती हैं। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णय परिपक्वता, पारदर्शिता और परिवार के सम्मान को ध्यान में रखकर लें। संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। उधर, सामाजिक संस्थाओं को भी यह स्वीकार करना होगा कि बदलते समय में अधिकारों और स्वतंत्रताओं की नई समझ विकसित हुई है। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है किंतु वे तभी टिकाऊ होती हैं जब वे न्याय, समानता और मानव गरिमा के साथ सामंजस्य स्थापित करें। समाज की भूमिका भय पैदा करने की नहीं, विश्वास बनाने की होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण पक्ष प्रतिनिधित्व का है। जिन निर्णयों का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है, उनमें महिलाओं की भागीदारी कितनी है? क्या सामाजिक निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की पर्याप्त सहभागिता सुनिश्चित है? लोकतांत्रिक समाज में यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना परंपरा और अधिकार का प्रश्न। आज का भारत तेजी से बदल रहा है।

सूडोकु नवताल- 7879

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7878 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

कारगिल के 'शेरशाह' कैप्टन विक्रम बत्रा : अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान की अमर गाथा

वरुण कुमार

या तो तिरंगा लहराकर आऊँगा, या तिरंगे में लिपटकर आऊँगा, लेकिन वापस जरूर आऊँगा। भारतीय सैन्य इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो केवल वीरता के प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की जीवंत मिसाल बन जाते हैं। ऐसे ही अमर योद्धा थे कैप्टन विक्रम बत्रा, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अपने अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और सर्वोच्च बलिदान से भारतीय सेना के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय लिख दिया। 7 जुलाई 1999 को उन्होंने प्वाइंट 4875 पर दुश्मन से लोहा लेते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मात्र 24 वर्ष की आयु में दिया गया उनका बलिदान आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्योति प्रज्वलित करता है।

कारगिल युद्ध भारत के इतिहास का वह अध्याय है जिसने दुनिया को भारतीय सैनिकों के साहस, धैर्य और युद्ध कौशल से परिचित कराया। 1999 में पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों और सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पार कर कारगिल, द्रास, बटालिक और टोलोलिंग क्षेत्र की कई ऊँची चोटियों पर कब्जा कर लिया। इन चोटियों से वे राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर नजर रख सकते थे, जो श्रीनगर को लेह से जोड़ता है। यह भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती थी। इसके जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय प्रारंभ किया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, बर्फीली हवाओं और दुर्गम पहाड़ों के बीच भारतीय सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया।

9 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में जन्मे विक्रम बत्रा बचपन से ही साहसी, अनुशासित और देशभक्त थे। उनके पिता जी. एल. बत्रा विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा माता कमलकांता बत्रा शिक्षिका थीं। परिवार में शिक्षा और संस्कारों का वातावरण था। विक्रम और उनके जुड़वां भाई विशाल को परिवार में प्रेम से 'लव-कुश' कहा जाता था। बचपन से ही उनमें नेतृत्व क्षमता, खेलों के प्रति रुचि और दूसरों की सहायता करने का स्वभाव दिखाई देता था। पालमपुर में प्राप्त की और बाद में चंडीगढ़ के डी.ए.वी. कॉलेज से स्नातक किया। एनसीसी में रहते हुए उन्होंने सेना के अनुशासन और जीवनशैली को निकट से देखा। व्यापारी जहाज में नौकरी का अवसर मिलने के बावजूद उन्होंने राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उन्होंने संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) परीक्षा उत्तीर्ण की और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में प्रशिक्षण प्राप्त किया। दिसंबर 1997 में वे 13 जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त हुए।

1999 में कारगिल युद्ध छिड़ने पर उनकी बटालियन को मोर्चे पर भेजा गया। अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी विक्रम बत्रा ने असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया। 20 जून 1999 को उन्हें प्वाइंट 5140 पर कब्जा करने का दायित्व मिला। यह चोटी सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थी। दुश्मन ऊँचाई पर था और भारतीय सैनिकों को सीधी चढ़ाई करते हुए आगे बढ़ना था। विक्रम बत्रा ने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए दुश्मन पर अचानक हमला किया और भीषण संघर्ष के बाद चोटी पर विजय प्राप्त की।इस सफलता के बाद उन्होंने रेडियो पर अपने कमांडिंग ऑफिसर को संदेश दिया– "ये दिल मांगे मोर।" यह केवल विजय का संदेश नहीं था, बल्कि भारतीय सैनिकों के अदम्य आत्मविश्वास का उद्घोष बन गया। पूरे देश में यह वाक्य राष्ट्रभक्ति और विजय का प्रतीक बन गया।कारगिल युद्ध के दौरान विक्रम बत्रा को "शेरशाह" कोडनेम दिया गया। उनकी आक्रामक युद्ध शैली, निर्भीक नेतृत्व और साहस के कारण दुश्मन भी उनके नाम से भयभीत रहता था। कहा जाता है कि पाकिस्तानी सैनिक वायरलेस पर भी "शेरशाह" का उल्लेख करते थे। यह किसी भी सैनिक के लिए उसके शौर्य का सबसे बड़ा प्रमाण माना जाता है। प्वाइंट 5140 की विजय के बाद भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ। उन्होंने अगली चुनौती स्वीकार करते हुए प्वाइंट 4875 पर कब्जा करने का दायित्व लिया। यह मिशन अत्यंत जोखिमपूर्ण था। ऊँचाई, दुर्गम चट्टानें और दुश्मन की मजबूत स्थिति भारतीय सेना के सामने बड़ी चुनौती थीं। फिर भी कैप्टन बत्रा ने पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना चुना।

7 जुलाई 1999 की रात भारतीय सैनिक प्वाइंट 4875 की ओर बढ़े। भीषण गोलीबारी के बीच कैप्टन बत्रा ने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए कई दुश्मन सैनिकों को मार गिराया। इसी दौरान उनके एक साथी अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने स्वयं अपनी जान की परवाह किए बिना साथी को बचाने का निर्णय लिया। घायल साथी को सुरक्षित निकालते समय दुश्मन की गोली उनके सीने में लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने लड़ाई जारी रखी और अंततः मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।

उनकी शहादत के बाद भारतीय सेना ने उस चोटी पर विजय प्राप्त की। बाद में प्वाइंट 4875 को सम्मानपूर्वक 'बत्रा टॉप' के नाम से भी जाना जाने लगा। यह केवल एक पहाड़ी नहीं, बल्कि भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च साहस और बलिदान का स्मारक बन गई।कैप्टन विक्रम बत्रा के अद्वितीय शौर्य और सर्वोच्च बलिदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत परम वीर चक्र से सम्मानित किया। यह सम्मान युद्धभूमि में असाधारण वीरता और अदम्य साहस के लिए दिया जाता है। उनका परमवीर चक्र केवल एक सैनिक का सम्मान नहीं, बल्कि भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा का सम्मान भी है।

उनके जीवन की सबसे प्रेरणादायक बात यह थी कि उन्होंने केवल आदेशों का पालन नहीं किया, बल्कि हर कठिन परिस्थिति में अपने साथियों का मनोबल बढ़ाया। उनके नेतृत्व में सैनिकों ने असंभव प्रतीत होने वाले अभियानों को सफल बनाया। उनके साहस ने यह सिद्ध कर दिया कि युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व से भी जीते जाते हैं।आज देशभर के सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों में कैप्टन विक्रम बत्रा का जीवन नए अधिकारियों और सैनिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भारतीय सेना के युवा अधिकारी उनके नेतृत्व, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को आदर्श मानते हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में उनके जीवन पर आधारित व्याख्यान, प्रतियोगिताएँ और श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि नई पीढ़ी राष्ट्रसेवा के मूल्यों को समझ सके। फिल्म शेरशाह ने भी देशभर में उनकी वीरगाथा को नई पीढ़ी तक पहुँचाया। इस फिल्म ने केवल युद्ध की घटनाओं को नहीं, बल्कि एक सैनिक के मानवीय पक्ष, परिवार के प्रति प्रेम और राष्ट्र के लिए समर्पण को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।कारगिल युद्ध भारत की सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस युद्ध में 500 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत ने यह सिद्ध किया कि भारत की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। कैप्टन विक्रम बत्रा उन अमर वीरों में अग्रणी हैं, जिनकी वीरता ने पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित किया। आज जब देश आत्मनिर्भर भारत, आधुनिक सैन्य तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कैप्टन विक्रम बत्रा जैसे वीरों का जीवन हमें याद दिलाता है कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसके सैनिकों का साहस, अनुशासन और देशभक्ति होती है। उनका जीवन युवाओं को यह संदेश देता है कि सच्चा नेतृत्व वही है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य से पीछे न हटे। 7 जुलाई केवल एक शहादत दिवस नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, त्याग और साहस का प्रेरक पर्व है।

देश को आत्मनिर्भर बनाने वाली घोषणाओं का गवाह बनता लालकिला

मनोज कुमार मिश्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार 12 बार स्वतंत्रता दिवस पर लालकिला संबोधन में अपनी और अपने सरकार की कथनी और करनी के भेद को खत्म किया। लगभग हर बार देश के अतीत के सुनहरे किस्सों से लेकर भविष्य की योजनाओं से जुड़ी बातें कही। समाज और देश से जुड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर बोले। अनेक वायदे किए और घोषणाएं की। आमतौर पर हर बार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पर चोट किया। नई मिसाल कायम करते हुए गिन-गिनकर हर एक वायदे को पूरा किया।

देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद सर्वाधिक 13वीं इस 15 अगस्त को नरेन्द्र मोदी लालकिला से राष्ट्रीय ध्वज को फहरा कर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। नेहरूजी ने लालकिला से 17 बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। प्रधानमंत्री मोदी लालकिला के संबोधन में अपना दायरा लगातार बढ़ा रहे हैं। इस संबोधन को उन्होंने अपनी सरकार की योजनाओं को आमजन को बताने और समाज में हाशिए पर पहुंचाए गए लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का कारगर उपकरण बनाया। यह सिलसिला लगातार जारी है। इसी का परिणाम है कि केन्द्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के अलावा देश के तीन चौथाई राज्यों में उनकी पार्टी भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकारें हैं।

लालकिला से प्रधानमंत्री का सबसे छोटा संबोधन साल 2017 में 56 मिनट और सबसे बड़ा साल 2025 में 123 मिनट का था। साल 2014 में 65 मिनट, 2015 में 88 मिनट, 2016 में 96 मिनट, 2018 में 83 मिनट, 2019 में 92 मिनट, 2020 में 90 मिनट, 2021 में 88 मिनट, 2022 में 74 मिनट, 2023 में 90 मिनट और 2024 में 98 मिनट तक प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित किया। 2014 में अपने भाषण की शुरूआत ही उन्होंने अपने को देश का प्रधानमंत्री के बजाए प्रधान सेवक कह कर किया। भ्रष्टाचार पर चोट करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार की एक बड़ी प्राथमिकता सरकारी विभागों से भ्रष्टाचार को खत्म करने की है। उन्होंने हर सरकारी स्कूल में शौचालय बनाने पर जोर दिया ताकि लड़कियां स्कूल छोड़ने पर मजबूर न हों। सांसद आदर्श ग्राम योजना की घोषणा की जिसके तहत हर सांसद अपनी सुविधा से एक गांव को गोद लें और तय समय में उस गांव का समग्र विकास करवाएं।

सरकारी सुविधाओं का लाभ आम लोगों को दिलवाने यानी सरकारी पैसा सीधे उनके खातों में भेजने के लिए सरकारी बैंकों में जनधन खाता खुलवाने की घोषणा की। मई 2026 तक देश में 58.15 करोड़ जनधन खाते खोले गए। उसी संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की घोषणा की। इसकी शुरूआत महात्मा गांधी के जन्मदिन 02 अक्तूबर, 2014 से प्रधानमंत्री ने खुद सफाई करके की। इसी अभियान के तहत देश को खुले में शौच से मुक्त करने के लिए हर घर में शौचालय बनाने का अभियान शुरू हुआ। अब तक देशभर में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण सरकार करा चुकी है। इसे आम बोलचाल की भाषा में "इज्जत घर" कहते हैं।

अगले साल यानी 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिजली कनेक्शन से रह गए 18,500 गांवों तक बिजली पहुंचाने की घोषणा की और इसे पूरा किया। उसी संबोधन में उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए "स्टारअप और स्टेंडअप इंडिया" कार्यक्रम की घोषणा की। जिसके माध्यम से स्वरोजगार योजना गांव-गांव पहुंची और हर इलाके में तेजी से उद्योग-धंधे लगे। इसी तरह धुआं मुक्त रसोई के लिए "प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना" शुरू की गई। इसके तहत 11 करोड़ से ज्यादा घरों में रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। साल 2016 में गुड गवनेंस और सुराज की घोषणा की। बिजली-पानी की आपूर्ति में सुधार करने के साथ-साथ एलईडी बल्व का बड़े पैमाने पर वितरण शुरू करने की घोषणा की। सरकारी सेवाओं के ग्रुप सी और डी की भर्ती प्रक्रिया से साक्षात्कार समाप्त करने की घोषणा की।

साल 2017 के राष्ट्र के नाम अपने संदेश में उन्होंने फिर से भ्रष्टाचार, जातिवाद, आतंकवाद और सांप्रदायिकता को खत्म करने पर जोर दिया। मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए तीन तलाक से मुक्ति दिलाने की घोषणा की। साल 2018 में लालकिला से उन्होंने प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत हर व्यक्ति को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इसका लाभ 60 करोड़ से ज्यादा लोग उठा रहे हैं। सेना में शॉर्ट सर्विस में आई महिला अधिकारियों को भी प्रमोशन (कमीशन) देने की घोषणा की। उसी संबोधन में साल 2022 में पहला मानव मिशन अंतरिक्ष में भेजने की घोषणा की।

साल 2019 के संबोधन में जम्मू-कश्मीर से "अनुच्छेद 370" हटाने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं के संयोजन के लिए "चीफ आफ डीफेंस स्टाफ" पद बनाने की घोषणा की। हर घर साफ पानी पहुंचाने के लिए हर घर नल यानी "जल जीवन मिशन" की शुरूआत हुई। इसके तहत 16 करोड़ घरों से ज्यादा घरों में नल से जल पहुंचाया जा रहा है। उसी संबोधन में उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन (एक ट्रिलियन यानी दस लाख करोड़) डॉलर तक पहुंचाने की घोषणा की। साल 2020 का समय कोरोना महामारी का था। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में "नेशनल डिजिटल मिशन" की घोषणा की और कोविड 19 वैक्सीन को विकसित करने की भी घोषणा की।

साल 2021 के संबोधन में उन्होंने देश के मूलभूत ढांचे के विकास के लिए "प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना" शुरू करने की घोषणा की। देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने के लिए विशेष ट्रेन सेवा वंदेभारत शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने 75 हफ्ते में 75 वंदेभारत रेलगाड़ी चलाने की घोषणा की। साल 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर होने के लिए नेशनल ग्रीन हाईड्रो प्रोजेक्ट और सैनिक स्कूलों में छात्राओं के दाखिले की घोषणा की। उसी संबोधन में हर 14 अगस्त को "विभाजन विभीषिका दिवस" मनाए जाने की घोषणा की। उसी संबोधन में "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" नारे की घोषणा और टोक्यो ओलंपिक मिशन की घोषणा की।

साल 2022 के संबोधन में प्रधानमंत्री ने अन्य घोषणाओं के अलावा "पंच प्रण" की घोषणा की। इसे विकसित भारत के लिए, गुलामी के हर अंश को मिटाने के लिए, अपनी विरासत पर गर्व करने, एकता, एकजुटता और नागरिकों के कर्तव्य पर के प्रयास करने पर केन्द्रित किया। साल 2023 के संबोधन में पारंपरिक कारीगरी को आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए विश्वकर्मा योजना और आर्थिक रूप से कमजोर दो करोड़ महिलाओं के लिए लखपति दीदी योजना शुरू करने की घोषणा की। इतना ही नहीं, मध्यम वर्गीय परिवारों को कर्ज से राहत देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने पांच साल में भारत के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के दावे किए। साल 2024 के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने अगले पांच साल में देश के मेडिकल कालेजों में 75 हजार नई सीटें बढ़ाने की घोषणा की। समान नागरिक आचार संहिता लागू करने के अलावा देश में अनेक विशेष गेमिंग जोन बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत साल 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दावा करेगा। साल 2030 तक देश में पांच सौ गीगावाट ग्रीन एनर्जी के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया। पिछले साल यानी साल 2025 में लालकिला से जीएसडी में सुधार की घोषणा की। इसे देश को दिवाली उपहार बताया। देश के लिए डेमोग्राफी मिशन बनाने, पीएम विकसित भारत योजना, प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना, सेमी कंडक्टर प्लांट लगाने की घोषणा की। तेल और प्राकृत गैस के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समुद्र मंथन योजना की घोषणा की। इसके लिए भारत सरकार ने 84,084 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। सरकार की ओर के कहा गया है कि अगले पांच साल में इसे पूरा कर लिया जाएगा।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो "संवाद से समाधान" का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें।

दैनिक पंचांग

7 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

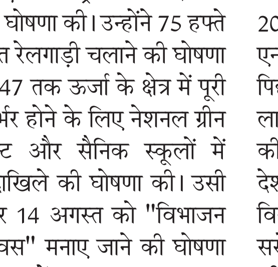

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	वृष में
मंगल	मिथुन में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.20 बजे से
कन्या	08.32 बजे से
तुला	10.43 बजे से
वृश्चिक	12.58 ब.से
धनु	15.14 बजे से
मकर	17.19 बजे से
कुंभ	19.05 बजे से
मीन	20.38 बजे से
मेष	22.09 बजे से
वृष	23.49 बजे से
मिथुन	01.47 बजे से
कर्क	04.00 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 219 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 16.37 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 18.43 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 12.11 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 05.48 बजे, गर 16.37 बजे तदनन्तर वणिज 03.21 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 28' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872794 **जूलियन दिन** 2461259.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 23 **विशेष** मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

गलती से जहरीला पदार्थ खाने से विवाहित मूर्छित

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के मेंहदी डांगा गांव में गुरुवार को गलती से जहरीली पदार्थ खाने से एक विवाहिता महिला मुर्छित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार श्रीमती देवी (18) गलती से घर में रखा जहरीली पदार्थ को दवा समझ कर पि लिया जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों को पता चलते ही आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी के देख रेख में इलाज किया जा रहा था। वहीं मामले की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को दे दिया गया है।

ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की हुई मौत

साहिबगंज: घर लौटने की खुशी कुछ ही घंटों की दूरी पर थी, लेकिन मौत उससे पहले पहुंच गई। पत्नी और तीन मासूम बच्चे जिस शख्स के घर आने का इंतजार कर रहे थे, उसकी जगह घर पहुंची उसकी मौत की खबर। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ दी। राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण बेगमगंज गैस टोला निवासी 35 वर्षीय नसीम शेख की ट्रेन से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, वह करीब डेढ़ महीने पहले रोजी-रोटी कमाने मुंबई गए थे। 2 अगस्त को काम खत्म होने के बाद वह घर लौटने के लिए रवाना हुए। मुंबई से सियालदह रेलवे स्टेशन पहुंचे और बुधवार सुबह करीब चार बजे सियालदह-लालगोला पैसेंजर ट्रेन से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान दमदम रेलवे स्टेशन के पास अचानक ट्रेन से गिरने से उनकी मौत हो गई। साथ यात्रा कर रहे लोगों ने जब काफी देर तक उन्हें नहीं देखा तो तलाश शुरू की। जानकारी मिलने पर उनके साथी रेलवे ट्रैक के किनारे वापस दौड़ते हुए घटनास्थल पहुंचे, लेकिन तब तक नसीम दम तोड़ चुके थे। सूचना मिलने पर रेल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया। नसीम शेख अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनके पीछे पत्नी, एक बेटी और दो छोटे बेटे रह गए हैं। जिस घर में पिता के लौटने का इंतजार हो रहा था, वहां अब उनकी अर्थी पहुंची। पूरे गांव में शोक का माहौल है और मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने से हर किसी की आंखें नम हैं।

सड़क हादसे में युवक घायल

साहिबगंज: जिले के रांगा थाना क्षेत्र के मोहब्बतपुर में बुधवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना उस समय हुई जब युवक दुगार्पुर की ओर से अपने घर लौट रहा था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी छोटका किस्कू पिता किशुन किस्कू, अपनी ससुराल से बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान मोहब्बतपुर के समीप अचानक बाइक से उनका संतुलन बिगड़ गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि युवक को गंभीर चोटें आई है।दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात के समय सड़क पर वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। पुलिस एवं प्रशासन भी वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा हेलमेट पहनकर सुरक्षित यात्रा करने की अपील करते रहे हैं।

पाकुड़ में प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित चार सितंबर तक दर्ज कराएं दावा-आपत्ति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के अंतर्गत आज पाकुड़ जिले की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन सभी संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इसके साथ ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 7,81,740 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 3,86,534 पुरुष, 3,95,202 महिला तथा 4 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। इनमें से 12,171 दिव्यांग मतदाता भी पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधा एवं मतदान प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से जिले में मतदान केंद्रों की संख्या 1,014 से बढ़ाकर 1,068 कर दी गई है। उन्होंने बताया कि गणना चरण के दौरान जिले के कुल 8,50,574 मतदाताओं में से 2,64,918 मतदाताओं का स्वयं तथा 4,88,353 मतदाताओं का माता-पिता/वंशज के माध्यम से सत्यापन किया गया। वहीं 28,469 मतदाता मैप नहीं हो सके। सत्यापन के दौरान 68,834 मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र जमा नहीं किया जा सका, जिनमें 20,139 मृत, 32,666 स्थायी रूप से स्थानांतरित, 4,554 अनुपलब्ध/अनुपस्थित, 11,433 पहले से नामांकित तथा 42 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 01 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिक आवश्यक घोषणा-पत्र के साथ प्रपत्र-6 भरकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा नाम हटाने, संशोधन एवं स्थानांतरण से संबंधित आवेदन भी निर्धारित प्रपत्रों में स्वीकार किए जाएंगे। मतदाताओं की सुविधा के लिए 08 एवं 09 अगस्त तथा 22 एवं 23 अगस्त 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां बूथ लेवल अधिकारी द्वारा आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 25 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक होम-टू-रोल वेरिफिकेशन अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2026 को संबंधित पंचायत भवनों एवं शहरी वार्डों में ग्राम सभा एवं बैठकों का आयोजन कर मतदाता सूची के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।

पाकुड़ में डबल मर्डर से सनसनी, पत्नी और सास की हत्या कर दामाद फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के झेनागड़िया गांव में बुधवार देर रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई। घर जमाई बनकर रह रहे एक युवक ने अपनी पत्नी और सास की चाकू मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतकों की पहचान 21 वर्षीय गुलचेहरा बीवी और उनकी 45 वर्षीय मां मेंजा बेवा के रूप में हुई है। आरोपी पति एब्रास अंसारी है, जो मुंबई की एक बिस्कुट फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस के अनुसार, एब्रास बुधवार शाम ही मुंबई से घर लौटा था। रात में खाना खाने के बाद वह पत्नी और अपने ढाई माह के बेटे के साथ कमरे में सोने चला गया। देर रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आकर एब्रास ने चाकू से पत्नी के गले पर वार कर दिया। चीख-पुकार सुनकर मां बचाने आई तो आरोपी ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि घटना के वक्त घर में मौजूद छोटे बच्चों ने पूरी वारदात अपनी आंखों से देखी। गुलचेहरा की शादी करीब आठ साल पहले एब्रास से हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं - दो बेटियां और एक छोटा बेटा। ग्रामीणों के मुताबिक, हत्या के बाद आरोपी पत्नी का आधार कार्ड, बैंक पासबुक और अन्य कागजात लेकर फरार हो गया। गुरुवार सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर लिट्टीपाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। एसडीपीओ कुमार गौरव ने बताया कि यह गंभीर मामला है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों का दावा है कि आरोपी पहले भी एक हत्या के मामले में जेल जा चुका है।

7 व 8 अगस्त को साहिबगंज रूट प्रभावित कई ट्रेनों का बदला मार्ग और परिचालन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हावड़ा रेलमंडल के हरिनसिंग रेलवे स्टेशन पर 7 अगस्त की सुबह 8 बजे से 8 अगस्त की दोपहर 2 बजे तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कारण इस दौरान कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। रेलवे के अनुसार 7 अगस्त को 13015 हावड़ा-जमालपुर कविगुरु एक्सप्रेस का परिचालन रामपुरहाट-गुमानी-साहिबगंज के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। ब्लॉक शुरू होने से पहले इस सेक्शन में अप दिशा की आखिरी ट्रेन 63081 और डाउन दिशा की आखिरी ट्रेन 63142 होगी।वहीं, ब्लॉक समाप्त होने के बाद अप दिशा में पहली ट्रेन 63141 और डाउन दिशा में पहली ट्रेन 22310 चलाई जाएगी। 8 अगस्त को 63081 रामपुरहाट-जसीडीह मेमू और 63142 गोड्डा-सियालदह मेमू को रास्ते में उचित रूप से नियंत्रित कर चलाया जाएगा। इस दिन ब्लॉक से पहले अप दिशा की आखिरी ट्रेन 22309 और डाउन दिशा की आखिरी ट्रेन 13016 रहेगी। ब्लॉक के बाद अप दिशा में 63081 और डाउन दिशा में 63142 पहली ट्रेन के रूप में संचालित होगी।रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा से पहले ट्रेनों की समय-सारिणी की जानकारी अवश्य ले लें ताकि उन्हें असुविधा न हो।

पाकुड़ स्टेशन पर जल्द लगेगी ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन

निमार्णाधीन स्थल का अधिकारियों ने किया संयुक्त निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में रेल यात्रियों को जल्द ही आधुनिक और त्वरित टिकट सुविधा मिलने वाली है। पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल की ओर से पाकुड़ रेलवे स्टेशन के मालगोदाम रोड स्थित फुट ओवरब्रिज के नीचे ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। गुरुवार को रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने निमार्णाधीन स्थल का संयुक्त निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और तकनीकी तैयारियों का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, नगर परिषद की वार्ड पार्षद निभा देवी द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा के लिए मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा से लगातार एटीवीएम लगाने की मांग की जा रही थी। उनकी पहल पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राहुल रंजन के निदेर्शानुसार इस योजना पर काम शुरू किया गया। संयुक्त निरीक्षण का नेतृत्व स्टेशन प्रबंधक एल.आर. हेम्ब्रम ने किया। निरीक्षण दल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) परितोष रंजन, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (दूरभाष) संजय कुमार ओझा, वरिष्ठ विद्युत अनुभाग अभियंता राजू कुमार तथा वाणिज्य पर्यवेक्षक सिकंदर मंडल शामिल रहे। इस दौरान वार्ड पार्षद निभा देवी भी मौजूद रहीं और अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) परितोष रंजन ने बताया कि एटीवीएम के लिए शेड सहित सभी निर्माण कार्य अगले पांच दिनों में पूरा कर वाणिज्य विभाग को सौंप दिया जाएगा।

बारिश आते ही जल जमाव से तालाब बन जाता है बरहरवा का बिंदु धाम पथ

आठ महीने पहले बनी करोड़ों की नाली, निकासी में फेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

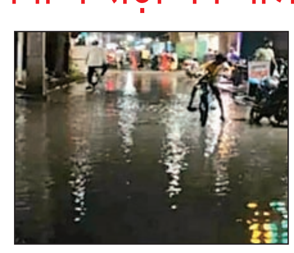

साहिबगंज : मानसून की बारिश आते ही बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या-2 स्थित बिंदु धाम पथ फिर से पानी में डूब गया है। कुछ दिन पहले और आज खींची गई तस्वीरों में कोई अंतर नहीं दिख रहा। हर जगह गंदा पानी, कीचड़ और फिसलन है। हैरानी की बात यह है कि करीब 8 महीने पहले इसी सड़क के दोनों ओर करोड़ों की लागत से नई नालियों का निर्माण कराया गया था, लेकिन जमीनी हकीकत में कुछ नहीं बदला। नाली बनाने के समय दावा किया गया था कि अब बरसात का पानी सड़क पर नहीं रुकेगा। लेकिन न तो ढलान सही तरीके से बनाई गई और न ही नियमित सफाई हो रही है। नतीजा यह है कि नाली का ही गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगता है और पूरी सड़क एक बड़े नाले में तब्दील हो जाती है। जगह-जगह गड्ढों में पानी भर जाने से दलदल जैसी स्थिति बन गई है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी बिंदु धाम आने वाले श्रद्धालुओं को हो रही है। यह धार्मिक स्थल दूर-दूर तक श्रद्धा का केंद्र है लेकिन यहां दर्शन के लिए आने वाले लोग अब गीले कपड़े और फिसलन भरे रास्ते से गुजरने को मजबूर है। स्थानीय निवासियों का जीवन भी अस्त व्यस्त हो गया है। घरों से निकलना मुश्किल है बच्चों और बुजुर्गों के गिरने का खतरा हर समय बना रहता है। घरों में सीलन, मच्छर और बदबू की शिकायतें भी बढ़ गई है। रोजमर्रा के काम से गुजरने वाले राहगीरों को भी कीचड़ भरे पानी से होकर जाना पड़ रहा है। लोगों का सवाल सिर्फ इतना है कि नाली निर्माण पर खर्च तो हुआ, लेकिन समस्या का समाधान क्यों नहीं निकला। हर बारिश के बाद यही तस्वीर दोहराई जाती है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि बस चाहते हैं कि एक बार तकनीकी टीम आकर जांच करे कि पानी निकास में दिक्कत कहां है। नाली की सफाई, ढलान और मुख्य नाले से कनेक्शन दुरुस्त कर दिए जाएं। क्षेत्रवासियों की मांग है कि नालियों की गहराई और ढलान की जांच कराई जाए, अवरुद्ध स्थानों की तुरंत सफाई हो, सड़क के गड्ढे भरकर उसे समतल किया जाए और स्थायी जल निकासी की व्यवस्था बनाई जाए।

उप विकास आयुक्त ने जिला समाज कल्याण विभाग की योजनाओं एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त साहिबगंज के निदेशानुसार उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समाज कल्याण विभाग के कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के को-लोकेशन, आधारभूत सुविधाओं, पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों, रिक्त पदों, मानदेय भुगतान एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 702 आंगनबाड़ी केंद्रों का को-लोकेशन सर्वेक्षण सत्यापित किया गया, जिनमें 348 केंद्र विद्यालय परिसर में संचालित पाए गए तथा 70 केंद्रों के को-लोकेशन हेतु कमरे उपलब्ध हैं। अब तक 34 आंगनबाड़ी केंद्र पूर्ण रूप से विद्यालयों में स्थानांतरित किए जा चुके हैं। शेष केंद्रों के स्थानांतरण के लिए आवश्यक मरम्मत एवं अन्य प्रक्रियाएं नियमानुसार प्रगति पर हैं।बैठक में पोषण ट्रैकर के आधार पर किराये के भवनों में संचालित 533 आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा में 74 केंद्रों में विद्युत, 24 में पेयजल, 38 में रसोईघर तथा 54 केंद्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं पाई गई। उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने, नियमित अनुश्रवण करने तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किराये के भवनों के आंकड़ों की समीक्षा में परियोजना अभिलेखों में 569 भवन तथा पोषण ट्रैकर ऐप में 595 भवन दर्ज पाए गए, जिससे 26 भवनों का अंतर सामने आया। संबंधित प्रखंडों को आंकड़ों का सत्यापन कर वास्तविक स्थिति के अनुरूप आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय उपलब्धता की समीक्षा के दौरान परियोजना प्रतिवेदन एवं पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों में 141 केंद्रों का अंतर पाया गया। संबंधित परियोजनाओं को अभिलेखों का सत्यापन कर पोषण ट्रैकर ऐप में आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों की भी समीक्षा की गई। परियोजना प्रतिवेदन के अनुसार 46 सेविका एवं 76 सहायिका के पद रिक्त हैं, जबकि पोषण ट्रैकर ऐप में क्रमशः 57 एवं 105 पद रिक्त दर्शाए गए हैं। दोनों आंकड़ों में सेविका के 11 तथा सहायिका के 29 पदों का अंतर पाया गया। संबंधित परियोजनाओं को अभिलेखों का मिलान कर त्रुटियों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।सेविका एवं सहायिका के मानदेय भुगतान हेतु उपस्थिति विवरणी की समीक्षा में पाया गया कि माह जुलाई 2026 की उपस्थिति अधिकांश परियोजनाओं से प्राप्त हो चुकी है, जबकि पतना प्रखंड से केवल जून 2026 की उपस्थिति प्राप्त हुई है।

संक्षिप्त खबरें

बालू घाट से प्राप्त ओएसआर राशि का जनहित में प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें : प्रीतिलता मुर्मू

पाकुड़ : ज़िले के ग्राम पंचायतों को बालू घाटों से प्राप्त वन सोर्स रेवेन्यू राशि के प्रभावी, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराई गई ओएसआर राशि के उपयोग, योजनाओं की प्रगति एवं वित्तीय प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने सभी संबंधित मुखिया एवं पंचायत सचिवों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों को प्राप्त ओएसआर राशि का व्यय राज्य सरकार एवं विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध राशि का उपयोग पंचायत क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध ढंग से किया जाए, ताकि ग्रामीणों को इसका प्रत्यक्ष एवं स्थायी लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य निर्धारित तकनीकी एवं वित्तीय मानकों के अनुरूप ही संपन्न किए जाएं। बैठक के दौरान सभी पंचायतों को निर्देशित किया गया कि ओएसआर राशि से संबंधित व्यय विवरण, अभिलेख एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का समुचित संधारण किया जाए। साथ ही प्रत्येक योजना की प्रगति का नियमित अनुश्रवण करते हुए वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। मौके पर जिला पंचायत राज पदाधिकारी कहा कि बालू घाटों से प्राप्त ओएसआर राशि ग्राम पंचायतों के विकास का एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इस राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किया जाना चाहिए। पंचायतों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन ही ग्रामीण विकास को नई गति देगा और आम लोगों को आधारभूत सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में ओएसआर राशि के प्रभावी उपयोग, योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता नियंत्रण, वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

हत्या कांड के फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना कांड संख्या 376/25, दिनांक 22 अक्टूबर 2025, धारा 103(1)/3(5) बीएनएस 2023 के नामजद फरार अभियुक्त गुड्डू महतो, पिता स्वर्गीय हीरालाल महतो, ग्राम चायटोली, थाना राजमहल, जिला साहिबगंज के घर गुरुवार को न्यायालय के आदेश के आलोक में इश्तेहार चिपकाया गया। पुलिस ने विधि-सम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए ढोल-नगाड़े के साथ उद्घोषणा कर गवाहों की उपस्थिति में अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चिपकाया गया। इसके साथ ही इश्तेहार को क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों एवं माननीय न्यायालय के मुख्य द्वार पर भी चिपकाया गया। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के निदेर्शानुसार फरार अभियुक्त को निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में उसके विरुद्ध कानून के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साहिबगंज महाविद्यालय में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण जागरूकता अभियान चलाया

साहिबगंज : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का दावा एवं आपत्ति संबंधी जागरूकता लाने के लिए साहिबगंज महाविद्यालय में गुरुवार को अभियान चलाया गया। मौके पर जिला चुनाव कार्यालय के कर्मी निशु कुमारी एवं लूसी कुमारी ने महाविद्यालय में अध्यनरत वैसे छात्र-छात्राएं या उनके परिवार के सदस्य जो 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने को है उन्हें पंजीकृत कराने हेतु आवश्यक जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी छात्राओं को ईसीनेट ऐप डाउनलोड करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर चंद्रशेखर प्रसाद, डॉक्टर प्रिया सिंह, डॉक्टर अक्षय कुमार वर्मा, डॉक्टर सुनीता कुमारी, प्रोफेसर अदिति सुरीन, प्रोफेसर संजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

तीनपहाड़ में इमामे हुसैन की सहादत कि याद में चहेलुम पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ में इमामे हुसैन की सहादत कि याद में मनाया जाने वाला पर्व चहेलुम गुरुवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व मुहर्रम के चालीस दिन बाद मनाया जाता है चहेलुम के दसमी को सार्वजनिक चहेलुम कमेटी तीनपहाड़ के नेतृत्व में इमामबाड़ा से ताजिया अखाड़ा व जुलूस निकाली गयी। जो हाथीगड़, बैंक मोड़, नीचे टोला, मुख्य बाजार होते हुए देर रात्रि को इमामबाड़ा पहुँचा। इस दौरान खिलाड़ियों ने एक से बढ़ कर एक खेलो का करतब दिखाया साथ ही तीनपहाड़ बाजार में मेला जैसा नजारा लगा रहा इसके साथ ही जगह-जगह शर्बत और तबरुक को बाटा गया। वहीं चहेलुम पर बंगाल के रामपुरहाट, बर्धवान, नलहाटी, झारखण्ड के दुमका, पाकुड़, बरहरवा, बिहार के भागलपुर, नाथनगर, कटिहार, पीरपैंती, कहलगांव, शिवनारायणपुर, मिजाचौकी के अलावे सहिबगंज और राजमहल के लोग खेलो का करतब दिखाने और ताजिया देखने पहुँचे थे। इसके अलावे बेहतर खेल प्रदर्शन करने वालो को कमेटी द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। वही चहेलुम पर्व को लेकर तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे अपने दल बल के साथ मुस्तैद थे। इसको सफल बनाने में कमेटी के सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

प्रेम प्रसंग में युवती की हत्या कर शव पेड़ से लटकाया, प्रेमी समेत तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के जरीडीह थाना अंतर्गत ग्राम बनचास टोला (चट्टीगोड़ा) में 20 वर्षीय आरती हेम्ब्रम की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा है कि वैज्ञानिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों तथा आरोपियों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक 05 अगस्त 2026(बुधवार) को बनचास टोला चट्टीगोड़ा के जंगल के किनारे एक पेड़ पर गमछे में फांसी लगी हालत में एक युवती का शव मिला था। शव की पहचान आरती हेम्ब्रम के रूप में हुई। मृतका की मां बूंदी देवी (पति स्व. मिस्त्री हेम्ब्रम, सा. पिठोरिया, पो.-

चांपी, थाना तेनुघाट ओपी, बोकारो) के टंकित आवेदन पर जरीडीह थाना में काण्ड संख्या 133/26, गुरुवार 06अगस्त 2026 की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। बोकारो एसपी नाथू सिंह मीणा के निर्देशन और बेरमो डीएसपी रवींद्र कुमार सिंह की अगुवाई में जरीडीह थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में बनी टीम ने तेजी से जांच पूरी की। तकनीकी साक्ष्यों, गहन पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपियों में मृतका का प्रेमी मनोज मरांडी (लगभग 19 वर्ष) और उसके माता-पिता नाजीर मरांडी (लगभग 60 वर्ष) व सरस्वती देवी (लगभग 55 वर्ष) शामिल हैं–सबका निवास बनचास टोला चट्टीगोड़ा, जरीडीह, बोकारो बताया गया है। पुलिस ने कहा कि आरती और मनोज का करीब डेढ़ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविवार 2अगस्त 2026 को मनोज ने शादी का वादा कर आरती को अपने घर ले आया था, लेकिन परिवार ने उसे घर में रखने से इनकार कर दिया। आरती के घर वापस न जाने की जिद के बाद मंगलवार 4अगस्त 2026 की शाम को घर के पीछे बाड़ी में गला दबाकर हत्या कर दी गई और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया गया।

बरामदगी और छापामारी दल

पुलिस ने बताया कि पूछताछ और निशानदेही के आधार पर आरोपियों के घर से मृतका का मोबाइल और कपड़े (बैग में रखे) बरामद किए गए हैं। छापामारी दल में जरीडीह थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार सिंह समेत थाना के वरीय अफसर और महिला बल/सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

मनोज मरांडी, उम्र करीब 19 वर्ष, पिता नाजीर मरांडी, नाजीर मरांडी, उम्र करीब 60 वर्ष, पिता स्व. पुषा मरांडी, सरस्वती देवी, उम्र करीब 55 वर्ष, पति नाजीर मरांडी। तीनों का निवासः बनचास टोला चट्टीगोड़ा, थाना जरीडीह, जिला बोकारो।

एक नजर

सर्पदंश से किशोर की मौत

पूर्वी सिंहभूम : जिले के पोटका थाना क्षेत्र अंतर्गत कालिकापुर गांव के खरार्बागान टोला में सर्पदंश से एक 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कालिकापुर निवासी पवन भगत (15) बुधवार रात अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने आनन–फानन में उसे इलाज के लिए टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद गुरुवार को उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने आसपास काफी खोजबीन की और उस सांप को भी पकड़ लिया, जिसके काटने की आशंका जताई जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि वह जहरीला नाग सांप था।

चेन स्नैचिंग के दो अपराधी गिरफ्तार बाइक जब्त

पूर्वी सिंहभूम : सोनारी थाना क्षेत्र में महिला से सोने की चेन झपटने की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पंकज हरपाल उर्फ हेनरी और रोहित कुमार मुर्मू के रूप में हुई है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई बजाज पल्सर 220 बाइक (संख्या– जेएच05सीएन–3650) भी जब्त कर ली है। सोनारी थाना प्रभारी मधुसूदन डे ने गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि 31 जुलाई की शाम में अर्चना श्रीवास्तव (58) सोनारी के एच–रोड स्थित अपने घर की ओर पैदल जा रही थीं। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवकों ने पीछे से आकर उनके गले से सोने की चेन झपट ली और तेज रफ्तार से भागने लगे। भागने के क्रम में उनकी बाइक असंतुलित होकर एक वाहन से टकरा गई, जिसके बाद दोनों आरोपित बाइक छोड़कर पैदल फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक को जब्त कर जांच शुरू कर दी। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने बाइक के दस्तावेजों, तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 06 अगस्त को तडके सुबह करीब साढ़े चार बजे दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली गई।

जर्जर क्वार्टरों को लेकर श्रमिकों का प्रदर्शन, दी आंदोलन की चेतावनी

पश्चिमी सिंहभूम : जिले की सेल संचालित गुवा लौह अयस्क खदान में कर्मचारियों के जर्जर आवासों और बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति के विरोध में गुरुवार को झारखंड मजदूर संघर्ष संघ (झामससं) की गुवा इकाई ने सिविल विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कर्मचारी, महिला सदस्य और यूनियन पदाधिकारी प्रदर्शन में शामिल हुए और सिविल विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आवासों की तत्काल मरम्मत की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कुछ महिला आंदोलनकारियों ने सिविल विभाग के मुख्य गेट पर ताला लगाने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें समझाकर रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा। यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पाण्डे ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकांश क्वार्टर जर्जर हो चुके हैं। बरसात में छतों से पानी टपकने के कारण परिवारों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। कई लोग प्लास्टिक और तिरपाल लगाकर किसी तरह रात गुजारने को विवश हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बार–बार शिकायत के बावजूद सिविल विभाग के अधिकारी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं और कार्यालय में भी अक्सर उपलब्ध नहीं रहते।

बोकारो साईबर पुलिस ने 82 वर्षीय वृद्ध को वापस दिलाया 7 लाख रूपए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिनांक 23.06.26 को बोकारो के गुजरात कॉलोनी निवासी नरेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा अपने एचडीएफसी बैंक खाता, एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड एवं आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड से 7.65 लाख रुपए साईबर अपराधियों द्वारा अवैध निकासी की लिखित सूचना दी गई थी। प्राप्त सूचनानुसार बोकारो पुलिस द्वारा तुरंत साईबर थाना कांड संख्या 20/26 दर्ज करते हुए सभी संबंधित एजेंसियों को खाता विवरणी व ट्रांसफर रकम को होल्ड करने के लिए मेल के माध्यम से सूचित किया गया। चूंकि इस मामले में साईबर अपराधियों ने शॉपिंग हेतु पैसे का ट्रांसफर किया था जो 24 घंटे तक अलर्ट मोड़ में होता है। अलर्ट अवधि में ही पुलिस द्वारा तत्परता से शॉपिंग हेतु इस्तेमाल हुए रेजरपे, कैशफ्री, रत्नाकर बैंक

व सभी संबंधित एजेंसियों को मेल कर दिए जाने के कारण ट्रांजेक्शन होल्ड हो गया और शिकायतकर्ता को 7 लाख रुपए वापस मिल गए। शिकायतकर्ता आज बोकारो पुलिस से मिलकर अपनी खुशी जताते हुए इस त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक महोदय व साईबर पुलिस, बोकारो की सराहना की है। बोकारो पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि साईबर अपराध की सूचना अविलंब साईबर थाना अथवा डॉयल 1930 पर दें।

मानव तस्करी की शिकार नाबालिग बरामद, महिला तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम पुलिस ने मानव तस्करी के एक मामले में सफलता हासिल करते हुए एक नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है। साथ ही वर्ष 2023 के एक मामले में फरार चल रही नामजद अभियुक्ता रेणु तुरा को भी दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर कार्यालय, चाईबासा में आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) चक्रधरपुर डॉ सैय्यद मुस्तफा हाशमी ने दी। उन्होंने बताया कि अहतु थाना में 10 जुलाई 2026 को पीड़िता की मां की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। डॉ सैय्यद मुस्तफा हाशमी के निर्देशन में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम 29 जुलाई 2026 को दिल्ली

रवाना हुई और लगातार प्रयास के बाद 03 अगस्त 2026 को पीड़िता को सकुशल बरामद कर चाईबासा लाई। इसके बाद पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण सदर अस्पताल, चाईबासा में कराया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), चाईबासा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की आगे की जांच जारी है। इसी अभियान के दौरान अहतु थाना की नामजद अभियुक्ता रेणु तुरा, निवासी सेक्टर-6, रोहिणी, दिल्ली को भी गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ चाईबासा न्यायालय से कुर्की वारंट जारी था। पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई के बाद 03 अगस्त 2026 को उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस के अनुसार रेणु तुरा के विरुद्ध चाईबासा के अलावा देहरादून और दिल्ली के विभिन्न थानों में मानव तस्करी, धोखाधड़ी, धमकी, पॉक्सो एक्ट और जेजे एक्ट से जुड़े कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इस अभियान में अनुसंधानकर्ता पुनीत उरांव के नेतृत्व में सुमन टुडू, दुबराज हेम्ब्रम, हरिश्चंद्र प्रसाद, महिला आरक्षी जसिन्ता मिंज, महान्ती कुँवर, चिन्ता बोदरा तथा अन्य पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर मुस्कान हॉस्पिटल में सेमिनार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है इसी कड़ी में आज 6 अगस्त गुरुवार को अपराह्न 12:00 बजे मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सभागार में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था जीवन में एक स्थायी शुरूआत के लिए स्तनपानः जो प्रभावी है, उसे मजबूत करें। सेमिनार में चिकित्सकों ने स्तनपान के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए माताओं और स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल की वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. उषा सिंह ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. सी. मुंशी सहित अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, इंटर्न, स्वास्थ्यकर्मी एवं

निदेशक मंडल के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. हर्षिता ने अपने व्याख्यान में कहा कि नवजात शिशु के मानसिक, शारीरिक और रोग प्रतिरोधक क्षमता के विकास के लिए स्तनपान सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने बताया कि जन्म के बाद शुरूआती छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इससे न केवल शिशु का समुचित विकास होता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि माताओं को स्तनपान के प्रति प्रेरित करने और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भूमिका बेहद आवश्यक है। सेमिनार के दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने स्तनपान को लेकर समाज में व्याप्त गलत धारणाओं को दूर करने तथा अधिक से अधिक माताओं को जागरूक करने का संकल्प लिया। अस्पताल के निदेशकों ने डॉ. हर्षिता के व्याख्यान की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों और स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी से इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाया जा सकता है।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में 'माइलस्टोन 2026' का भव्य समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में डॉ. राधाकृष्णन सहोदय कॉम्प्लेक्स, बोकारो द्वारा आयोजित 'माइलस्टोन 2026' का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेंद्र कुमार सिन्हा, IG, उत्तरी छोटा नागपुर, बोकारो थे। इस अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन सहोदय कॉम्प्लेक्स, बोकारो के अध्यक्ष सह प्राचार्य, चिन्मया विद्यालय सूरज शर्मा, सचिव डॉ. जी. एन. खान, सह प्राचार्य डी.ए.वी. स्कूल, कथारा, उपाध्यक्ष विपुल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष आमिर हुसैन, संयुक्त सचिव बी. रीना ठाकुर, मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, सचिव दिलीप कुमार झा, प्राचार्य अमर प्रसाद, उप प्राचार्य देव दुलाल मित्रा एवं सभी विद्यालयों के प्राचार्यगण उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा दुर्गा गान और लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसे सभी ने खूब सराहा। बच्चों की इस प्रस्तुति से पूरा सभागार उत्साहित हो उठा। विद्यालय के प्राचार्य अमर प्रसाद ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए विद्यालय का चयन किया गया। उन्होंने सहोदय बोकारो के इतिहास से अवगत कराते हुए सभी को शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा, ऊँगलियाँ अलग-अलग होती हैं, लेकिन जब वे एक साथ बंध जाती हैं तो मुट्ठी बन जाती हैं। इसी तरह जब एक टीम मिलकर कार्य करती है तो वह अवश्य सफल होता है। हर बच्चे के जीवन में एक लक्ष्य होना चाहिए।

डीपीएस चास में बोकारो का पहला बास्केटबॉल ट्रेनिंग सेंटर शुरू

खेल अनुशासन, टीम भावना और व्यक्तित्व निर्माण की सबसे बड़ी पाठशाला है : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले में बास्केटबॉल के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), चास के संयुक्त तत्वावधान में जिले के प्रथम बास्केटबॉल ट्रेनिंग सेंटर (अकादमी) का भव्य शुभारंभ किया गया। यह सेंटर झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन एवं बोकारो जिला ओलंपिक संघ से संबद्ध है। इसका उद्देश्य जिले की युवा प्रतिभाओं को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध

कराकर उन्हें राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो के उपायुक्त श्री अजय नाथ झा (आईएएस) ने दीप प्रज्वलित कर अकादमी का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत के साथ हुई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, विद्यालय गान एवं आकर्षक ऑर्केस्ट्रा की प्रस्तुति देकर समारोह को गरिमामय बना दिया। अपने संबोधन में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समानता, टीम भावना, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण की सबसे बड़ी पाठशाला है। प्रत्येक व्यक्ति का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी वह स्वयं होता है, इसलिए निरंतर आत्म-सुधार ही सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना से बोकारो के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर प्राप्त होंगे, जिससे भविष्य में जिले के खिलाड़ी झारखंड, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि संघ का उद्देश्य जिले के प्रत्येक क्षेत्र में बास्केटबॉल को लोकप्रिय बनाना, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराना तथा उन्हें जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक पहुंचाना है। उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब चास का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर 55 कर्मचारियों की हुई आंखों की जांच

बोकारो : चास रोटरी क्लब चास द्वारा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर–5 में विद्यालय के बस चालकों एवं सफाई कर्मियों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों के नेत्र स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें समय पर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था। सचिव बिनोद चोपड़ा ने बताया कि शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपिका एवं उनकी टीम ने कुल 55 बस चालकों एवं सफाई कर्मियों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान 9 कर्मचारियों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें शीघ्र उपचार एवं शल्य चिकित्सा के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी गई। इसके अलावा सभी कर्मचारियों को आंखों की नियमित जांच, संतुलित आहार तथा नेत्रों की उचित देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। डॉ दीपिका सिंह ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर कर्मचारियों को समय रहते बीमारी की पहचान और उपचार का अवसर प्रदान करते हैं तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिषेक ने डॉ. दीपिका एवं उनकी टीम तथा रोटरी क्लब चास का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, जीजीएसइएसटी की कानूनी कलाकार पल्लवी जरूहार, सहायक मंडल अध्यक्ष पूजा बैद, रोटरी क्लब चास के कुमार अमरदीप, संजय बैद, विपिन अग्रवाल, संजय रस्तोगी, पूर्वी केजरीवाल, ललिता चोपड़ा, ऊषा कुमार, ज्योति अग्रवाल, शैल रस्तोगी, उपस्थित रहे।

बीएसएल में अनुबंध निष्पादन और दस्तावेजीकरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बोकारो : इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में अधिकारियों के लिए वैधानिक प्रावधान एवं अनुबंध निष्पादन में दस्तावेजीकरण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के इंजीनियर–इन–चार्ज एवं प्लानिंग इंजीनियरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों की वैधानिक प्रावधानों, अनुबंध प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण दस्तावेजीकरण तथा अनुबंधों के प्रभावी, पारदर्शी एवं नियमसम्मत निष्पादन संबंधी समझ और दक्षता को और अधिक सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों, अनुबंध प्रबंधन के महत्व तथा वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने में सुव्यवस्थित दस्तावेजीकरण की भूमिका से अवगत कराया गया। तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा जुडिशियस एस्टीमेट प्रिपरेशन, निविदा प्रक्रिया, टेंडर बैनिंग संबंधी दिशानिर्देश तथा अनुबंध निष्पादन से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षण के दौरान अनुबंध श्रमिकों से संबंधित वैधानिक प्रावधानों तथा अनुबंध निष्पादन में अपेक्षित दस्तावेजीकरण पर विशेष प्रस्तुति दी गई। विशेषज्ञों ने विभिन्न अधिनियमों एवं नियमों के प्रभावी अनुपालन, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण तथा अनुबंध प्रबंधन में सुदृढ़ दस्तावेजीकरण की अनिवार्यता को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को परचेज/कॉन्ट्रैक्ट प्रोसीजर (पीसीपी) एवं डेलीगेशन ऑफ पावर्स (डीओपी) से संबंधित प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं की भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा अनुबंधों के निष्पादन के दौरान प्राय: पाई जाने वाली त्रुटियों एवं कमियों पर आधारित केस स्टडी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर अधिकारियों को अनुबंध प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही, निष्पक्षता तथा निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें अनुबंध निष्पादन के प्रत्येक चरण में सतर्क, उत्तरदायी एवं नियमसम्मत कार्यप्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

किशोर कुमार की जयंती पर बोकारो के कलाकारों ने दी स्वरमयी श्रद्धांजलि

बोकारो : भारतीय सिनेमा के ख्याति प्राप्त अभिनेता व प्रख्यात पार्श्वगायक किशोर की जयंती पर सेक्टर 6 सी में संगीत संध्या आयोजित कर कलाकारों ने उन्हें याद किया। गायक व संगीतप्रेमी अरुप कुमार मिश्रा के संयोजन में आयोजित इस संगीत संध्या में कलाकारों ने किशोर कुमार के गाए कुछ प्रसिद्ध गीतों की प्रस्तुति से उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरूआत कलाकारों द्वारा किशोर कुमार की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई। प्रसिद्ध गायक अरुण पाठक, प्रसेनजीत शर्मा, धर्मेन्द्र कुमार, शेखर दा, आनंद मिश्रा, गंगा मिश्रा, शुभेंदु मुखर्जी, अमित मिश्रा, माही, वरिष्ठ रंगकर्मी शंभु झा, राकेश कुमार आदि ने किशोर कुमार की तस्वीर पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया। गायक अरुण पाठक ने कहा कि किशोर कुमार हरफनमौला कलाकार थे। एक उम्दा गायक होने के साथ ही वह एक सफल अभिनेता भी थे। इसके साथ ही संगीतकार, गीतकार व फिल्म निर्माता के रुप में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी। संजीदा गीतों के साथ ही मस्तीभरे गीतों को गाने में उन्हें महारत हासिल थी।

दांतू में दूसरी बार चोरों का धावा, नकदी व कीमती सामान लेकर फरार

बोकारो : ग्राम दांतू के बाजार तालाब, टांड़ दुर्गा मई मंदिर के समीप स्थित कैलाश कुमार नायक के घर से बुधवार रात 12:30 बजे के बाद चोरों ने बड़ी चोरी की। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराने की मांग की है। कैलाश कुमार ने बताया कि वे बुधवार सुबह 9:00 बजे अपनी दीदी के घर चिनिया गढ़ा (पतकी) गए थे। मौसम खराब होने और वापसी में देरी के कारण वे देर से लौटे। घर पहुंचकर जब सीसीटीवी चेक किया तो कैमरे ऑफलाइन मिले। मुख्य गेट पर बाहर से लॉक लगा हुआ था, पर भीतर के ताले टूटे हुए थे। निरीक्षण करने पर घर से निम्नलिखित सामान गायब पाया गया: नकद 54,260, कांस्य/पीतल के बर्तन और घरेलू सामान (थारी 2, लोटा 2, कटोरी 2, लौटी 2, घंटी 1, गमला 1, इभा 1, लोटी 3, चम्मच 2, पईला 1, गिलास 2) पीतल/कांसा की कुल वस्तुएँ और ज्वेलरी (पुस्तैनी चांदी लगभग 10 किलो, सोने के आभूषण लगभग 1 किलोग्राम) इलेक्ट्रॉनिक सामान: सीपी प्लस एनवीआर 1, सीपी प्लस वाईफाई कैमरा 3, जियो टीवी सेटअप बॉक्स 1, कंप्यूटर मॉनिटर एडाप्टर 2, मोबाइल चार्जर 3 कैलाश ने बताया कि यह घर पर दूसरी बार चोरी है ।

एक नजर

कोल ट्रांसपोर्टिंग से लगातार हो रहे हादसों के खिलाफ 8 अगस्त को सर्वदलीय बैठक

सिमरिया : कोल ट्रांसपोर्टिंग के कारण लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और मौतों के विरोध में 8 अगस्त को सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय स्थित किसान भवन परिसर में सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी झामुमो के केंद्रीय सदस्य एवं सिमरिया विधानसभा प्रभारी मनोज कुमार चंद्रा ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के सभी राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, समाजसेवी एवं आम नागरिक शामिल होंगे। बैठक में कोल वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने तथा सड़क सुरक्षा को लेकर साझा रणनीति तैयार की जाएगी। मनोज कुमार चंद्रा ने कहा कि दुर्घटनाओं में मृतकों के आश्रितों को निश्चित मुआवजा दिलाने तथा घायलों के इलाज का पूरा खर्च संबंधित ट्रांसपोर्टिंग कंपनी से दिलाने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से सर्वदलीय बैठक में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर 9 अगस्त से प्रस्तावित आंदोलन को सफल बनाने की अपील की।

पुलिस का पिस्टल निकाल कर फायरिंग कर रहे अपराधी से मुठभेड़, पैर में लगी गोली

पलामू : पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर और सदर थाना क्षेत्र के सीमावर्ती बजराहा में गुरुवार सुबह पुलिस एवं एक अपराधी में मुठभेड़ हो गई। इस क्रम में उस अपराधी के पैर में गोली लग गई, जबकि पुलिस कर्मी बाल बाल बच गए। जख्मी अपराधी को इलाज के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के भट्टी मोहल्ला निवासी सुमित चंद्रवंशी के रूप में हुई है। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। उल्लेखनीय है कि 29 जुलाई की रात करीब 9 बजे मेदिनीनगर शहरी क्षेत्र के शिवाला घाट स्थित कोयल रिवर फ्रंट पर ताबड़तोड़ गोली चली थी, जिसमें तीन युवकों को गोली लगी थी। घटना के बाद पुलिस अनुसंधान में एक आरोपित सुमित चंद्रवंशी को गिरफ्तार किया गया था और उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम हथियार बरामद करने के लिए बजराहा इलाके में गई थी। पुलिस के अनुसार हथियार खोजने के क्रम में अचानक सुमित एक पुलिसकर्मी की कमर से पिस्टल निकाल लिया और फायरिंग कर भागने लगा। उसने दो राउंड गोली चलाई। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जिसमें एक गोली सुमित के पैर में लगी और उसे जख्मी हालत में मौके से पकड़ा गया व इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। घटनास्थल से दो खोखा भी पुलिस ने बरामद किया है। जिले के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने घटना की पुष्टि की। घटना की जानकारी मिलने पर आरोपित के परिजन एमएमसीएच पहुंचे। कैदी वार्ड में सुमित से मिलने की कोशिश की लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें मिलने नहीं दिया। इससे नाराज होकर उन्होंने पुलिस के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया और घर से उठाकर फर्जी तरीके से गोलीमार देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि सुमित किसी अपराधी गिरोह से संबंध नहीं रखता और ना ही उसका 29 जुलाई के गोलीकांड से कोई मतलब है। उसे फंसाकर आरोपित बना दिया गया है।

भर्ती परीक्षा अनियमितता के विरोध में आप का प्रतिवाद मार्च, छात्रों की मांगों के समर्थन में उतरे कार्यकर्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में JPSC, JSSC CGL एवं PGT परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में पिछले 13 दिनों से आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में आम आदमी पार्टी, कोडरमा जिला इकाई द्वारा गुरुवार को पार्टी कार्यालय, रेलवे स्टेशन से झंडा चौक तक प्रतिवाद मार्च निकाला गया। कार्यक्रम में दर्जनों की संख्या में छात्र, युवा एवं पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा आंदोलनरत छात्रों की मांगों को तत्काल स्वीकार करने की मांग की। कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने कहा कि झारखंड का युवा वर्षों तक कठिन परिश्रम कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है, लेकिन यदि भर्ती प्रक्रियाओं पर लगातार सवाल उठते रहें तो युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रांची में छात्र कई दिनों से लोकतांत्रिक तरीके से धरना और भूख हड़ताल कर रहे हैं, फिर भी सरकार की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को छात्रों की जायज मांगों पर तत्काल निर्णय लेकर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी झारखंड के युवाओं की इस न्यायपूर्ण लड़ाई में पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। जिला संरक्षक दामोदर यादव ने कहा कि किसी भी राज्य का भविष्य उसके युवा तय करते हैं। यदि योग्य अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिलेगा तो युवाओं का व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा। सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए आंदोलनरत छात्रों से तत्काल वार्ता कर उनकी मांगों का समाधान करना चाहिए। टोटो विंग के जिला अध्यक्ष इस्लाम अंसारी ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक परीक्षा या संगठन का नहीं, बल्कि झारखंड के लाखों युवाओं की उम्मीदों और उनके अधिकारों का आंदोलन है। आम आदमी पार्टी युवाओं के संघर्ष को हर स्तर पर समर्थन देती रहेगी और अन्याय के खिलाफ लगातार आवाज उठाएगी। वरिष्ठ नेता रामवृक्ष सिंह ने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। जिन परीक्षाओं पर सवाल उठे हैं, उनकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि युवाओं का विश्वास बहाल हो सके। प्रतिवाद मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने "भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करो", "आंदोलनरत छात्रों की मांगें माननी होंगी", "छात्र विरोधी नीतियां बंद करो, JPSC–JSSC हाय-हाय तथा शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो जैसे नारे लगाए। पार्टी नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो राज्यभर में आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

प्लस टू उच्च विद्यालय में प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, जितेंद्र अध्यक्ष व राधा देवी बनीं उपाध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुंदा : राज्य सरकार के निर्देश पर कुंदा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू स्तरोन्नत उच्च विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को लेकर गुरुवार को चुनाव संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित चुनाव प्रक्रिया में कुल 19 चयनित सदस्यों ने मतदान किया। अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में जितेंद्र सौंडिक ने 11 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की और अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वहीं उपाध्यक्ष पद पर राधा देवी को भी 19 में से 11 मत मिले। इसके बाद उन्हें उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में उत्क्रमित उच्च विद्यालय खपिया के शिक्षक सुनील कुमार, बीपीओ महेंद्र कुमार तथा कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सौंडिक ने कहा कि विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करना, शैक्षणिक व्यवस्था को दुरुस्त करना और छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने विद्यालय के विकास के लिए अभिभावकों एवं शिक्षकों से सहयोग की अपील की। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव कुमार, कुंदा मुखिया मनोज साहू, सांसद प्रतिनिधि लवकुश गुप्ता, शिक्षकगण, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, कहा निष्पक्ष जांच हो, निर्दोषों को फंसाने पर लगे रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा/टंडवा : टंडवा थाना क्षेत्र में नाबालिग दलित युवती के कथित अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी की भीड़ की पिटाई के बाद हुई मौत के मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव भोक्ता ने पुलिस की कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। गुरुवार को उन्होंने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गहन जांच कराने तथा निर्दोष लोगों को फंसाने की साजिश पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में भाजपा ने कहा है कि नाबालिग दलित युवती के साथ कथित दुष्कर्म की घटना गंभीर और निंदनीय है तथा पीड़िता को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। साथ ही, घटना के बाद पीड़िता के माता-पिता के जेल जाने से उसके सामने उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर भी पार्टी ने चिंता जताई है। भाजपा ने मांग की है कि पीड़िता को पर्याप्त सुरक्षा, भरण-पोषण और आवश्यक सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाए, क्योंकि माता-पिता के जेल जाने के बाद वह अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ी होने के कारण असहाय स्थिति में है। ज्ञापन में घटना की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा गया कि 2 जुलाई को नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म की घटना के बाद क्षेत्र में भारी जनाक्रोश फैल गया था। इसी दौरान आरोपी इमरोज अंसारी भीड़ की पिटाई का शिकार हुआ और बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भाजपा ने आरोप लगाया कि घटना के समय बड़गांव पंचायत के पूर्व मुखिया विजय चौबे ने मृतक इमरोज अंसारी को बचाने तथा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस-प्रशासन का सहयोग किया था। पार्टी का दावा है कि स्थानीय लोगों के बयानों और वायरल वीडियो फुटेज में भी इसकी पुष्टि होती है। इसके बावजूद प्राथमिकी में पूर्व मुखिया को मुख्य अभियुक्त बनाया जाना न्यायसंगत नहीं है। ज्ञापन में पुरानी रंजिश के आधार पर लोगों को मॉब लिंचिंग के मामले में फंसाने का भी आरोप लगाया गया है। भाजपा ने कहा कि मृतक आरोपी वर्ष 2023 में भी एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में जेल जा चुका था। पार्टी का आरोप है कि इस पृष्ठभूमि को देखते हुए वर्तमान मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। भाजपा ने यह भी कहा कि प्राथमिकी में कुछ ऐसे स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों के नाम शामिल किए गए हैं, जो घटना के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद कर रहे थे।

जल जीवन मिशन की लंबित योजनाओं को समय पर पूरा कराएं अधिकारी : डीडीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिले में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन की प्रगति की समीक्षा को लेकर गुरुवार को जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त मो जावेद हुसैन के निर्देश पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सह समिति के उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार प्रकाश ने की। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने सिंदरी-पुरनानगर बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना सहित अन्य लंबित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कोयनारा एवं

जयपुर-बनई जलापूर्ति योजनाओं का स्थल निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने और संवेदकों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) की प्रखंडवार समीक्षा के दौरान अड़की और रनियां प्रखंड की प्रगति पर असंतोष जताते हुए अगस्त माह तक अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि जिले के 1,678 गांवों में जलापूर्ति योजनाओं का हैंडओवर किया जा चुका है, जबकि शेष पांच योजनाओं का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। अब तक 154 गांवों को 'हर घर जल' प्रमाणन प्राप्त हो चुका है और शेष 34 गांवों का प्रमाणन अगस्त माह तक कराने का लक्ष्य रखा गया है। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा में बताया गया कि जिले के 325 गांव ओडीएफ प्लस फाइव स्टार श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 301 शौचालयों का जियो टैगिंग कार्य पूरा किया गया है। मुरहू स्थित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में विद्युत कनेक्शन का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। बैठक में गोबरधन योजना और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के संचालन में स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी बढ़ाने, योजनाओं के रखरखाव की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों को सौंपने एवं जलसहियाओं के मानदेय भुगतान पर भी सहमति बनी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

छात्रों के न्याय की लड़ाई में हर कदम पर साथ खड़े रहेंगे : दुलाल

पूर्वी सिंहभूम : भाजपा कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने राज्य में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के अधिकारों की मांग को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन का समर्थन किया है। गुरुवार को उन्होंने अपने आधिकारिक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से कहा कि झारखंड का युवा न्याय चाहता है, भ्रष्टाचार नहीं और छात्रों की आवाज ही उनकी आवाज है। दुलाल भुईयां ने कहा कि राज्य के युवाओं का आंदोलन केवल नौकरी पाने का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह उनके भविष्य, सम्मान और न्याय की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और छात्रों की न्यायसंगत मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क बदहाल, पांच पंचायतों के मुखियाओं ने डीसी से लगाई गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : जिले के लावालौंग प्रखंड मुख्यालय से पांकी जाने वाली मुख्य सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर पांच पंचायतों के मुखियाओं ने चतरा उपायुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सड़क की बदहाली से ग्रामीणों को हो रही परेशानियों से उपायुक्त को अवगत कराते हुए शीघ्र निर्माण एवं मरम्मत कराने की मांग की। मुखिया संघ ने बताया कि सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। बारिश के दिनों में सड़क पर जलजमाव और कीचड़ के कारण आवागमन और भी मुश्किल हो जाता है। सड़क की खराब स्थिति का असर मरीजों, स्कूली बच्चों, किसानों

और आम राहगीरों पर पड़ रहा है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी होती है, जबकि किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यात्री वाहनों के परिचालन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ा है। प्रतिनिधिमंडल में मुखिया संघ अध्यक्ष राजेश कुमार साव, लमटा पंचायत के मुखिया अमित कुमार चौबे, रिमी पंचायत की मुखिया सुगी देवी, मुखिया पति जगदीश यादव, मंधनियां पंचायत के मुखिया पति भोला राम तथा हेडुम पंचायत के मुखिया संतोष राम शामिल थे। मुखिया संघ ने उपायुक्त से लावालौंग क्षेत्र का दौरा कर सड़क की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करने तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनने का आग्रह किया। इस पर उपायुक्त ने कहा कि समय और परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो वे स्वयं क्षेत्र का दौरा करेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि मंधनियां गांव में सड़क की समस्या को लेकर ग्रामीणों की बैठक की सूचना उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से मिली थी। इसके बाद सड़क निर्माण और मरम्मत की दिशा में आवश्यक पहल की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पत्रकारों को बुलाकर इंतजार करवाते रहे अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष, प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार

चतरा : जिले के टंडवा प्रखंड के बड़गांव गांव का दौरा करने के बाद झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर पत्रकारों में नाराजगी देखने को मिली। निर्धारित समय पर प्रेस वार्ता नहीं होने और पत्रकारों को इंतजार करवाए जाने से आक्रोशित पत्रकारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार कर परिसदन से लौटने का निर्णय लिया। बताया गया कि बुधवार को दिनभर बारिश होती रही। इसके बावजूद शाम में प्रेस कॉन्फ्रेंस की सूचना मिलने पर जिले के पत्रकार बारिश में भीगते हुए परिसदन पहुंचे। पत्रकारों के पहुंचने के बाद भी निर्धारित समय पर प्रेस वार्ता शुरू नहीं हुई। काफी देर तक इंतजार करने के बाद पत्रकारों में नाराजगी बढ़ती गई। पत्रकारों का कहना था कि मीडिया कर्मियों को समय पर बुलाकर लंबे समय तक इंतजार करवाना उचित नहीं है। कई पत्रकारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू कराने का आग्रह भी किया, लेकिन अपेक्षित पहल नहीं होने पर पत्रकारों ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर परिसदन से लौटने का फैसला किया। इस घटना को लेकर पत्रकारों में रोष देखा गया। पत्रकारों ने कहा कि मीडिया कर्मी अपने समाचार संकलन के लिए समय और परिस्थितियों की परवाह किए बिना मौके पर पहुंचते हैं। ऐसे में प्रेस वार्ता के लिए बुलाए गए पत्रकारों के समय का भी सम्मान किया जाना चाहिए। मौके पर चतरा प्रेस क्लब अध्यक्ष सुनील कश्यप, सचिव मोकीम अंसारी, जेजेए अध्यक्ष महेंद्र यादव, मो. जफर, नवीन पांडेय, संजय सिंह, अलख सिंह, गौतम सिंह, अमित सिंह, रूपेश सिंह, अशोक साव, रवि गुप्ता, सरल जी सहित अन्य पत्रकार मौजूद थे।

सावन में शिवभक्ति की अनूठी छटा, हजारों कांवरिये बाबा धाम रवाना

हंटरगंज : सावन का पावन महीना शुरू होते ही हंटरगंज प्रखंड के पाण्डेयपुरा समेत आसपास के गांवों में शिवभक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। पाण्डेयपुरा, करानी, करमा, ढोलिया, पचमो, गेंजना, नावाडीह और खरांटी सहित कई गांवों से हजारों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए सुल्तानगंज रवाना हुए। श्रद्धालु सुल्तानगंज पहुंचकर उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल उठाएंगे और पैदल यात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। यात्रा को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। रवाना होने से पूर्व श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का स्मरण कर यात्रा शुरू की। भगवा वस्त्रों में सजे कांवरियों के 'बोल बम', ह्यहर-हर महादेव' और 'बाबा बैद्यनाथ की जय' के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। ग्रामीणों ने भी रास्ते में कांवरियों का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। कांवरिया यात्रा में आलोक कुमार, प्रदीप प्रजापति, प्रमोद शर्मा, श्यामनंदन यादव, मनोज भारती, शुभम कुमार, अतुल कुमार, श्रवण कुमार, संदीप कुमार (पचमो), राजीव कुमार, लखन रजक, मितन भारती, अविनाश तिवारी, बीकू तिवारी, वीर कुमार, रंजन कुमार (पाण्डेयपुरा), पंकज यादव, भज्जू यादव, विकास शर्मा, प्रदीप प्रसाद (करानी), जितेंद्र शर्मा एवं राकेश यादव (खरांटी) समेत बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए।

डाकघर की पूर्व पोस्टमास्टर जयंती देवी का निधन आज होगा बड़ाकर नदी घाट पर होगा अंतिम संस्कार

मयूरहंड : मयूरहंड प्रखंड के मधनियाँ शाखा डाकघर में वर्षों तक शाखा पोस्टमास्टर के रूप में सेवा देने वाली जयंती देवी का 60 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से कैंसर से पीड़ित थीं और उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। जयंती देवी अपनी ईमानदार कार्यशैली और सरल एवं मिलनसार स्वभाव के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने लंबे समय तक मधनियाँ शाखा डाकघर में अपनी सेवाएं दीं। उनके निधन से क्षेत्र के लोगों ने एक कर्मठ एवं सरल स्वभाव की महिला को खो दिया। जयंती देवी अपने पीछे पति शशि कुमार सिंह, एक पुत्र और तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके पुत्र बम शंकर सिंह पूर्व में भाजपा मंडल महामंत्री रह चुके हैं तथा वर्तमान में सहायक आचार्य (शिक्षक) के पद पर कार्यरत हैं। परिजनों के अनुसार, जयंती देवी का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 10 बजे बड़ाकर नदी घाट पर किया जाएगा। उनके पुत्र बम शंकर सिंह ने इसकी जानकारी दी। उनके निधन पर क्षेत्र के लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

सरकारी राशन में अपात्र लाभुकों पर शिकंजा वर्षों से लिया लाभ तो अब होगी वसूली

चतरा : जिला आपूर्ति शाखा ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अपात्र होने के बावजूद वर्षों से सरकारी राशन का लाभ लेने वाले लाभुकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी की ओर से संबंधित लाभुकों को नोटिस जारी कर सरकारी अनाज की राशि एक सप्ताह के भीतर जमा करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सत्यापन के दौरान संबंधित लाभुकों के परिवार की वार्षिक आय निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई। इसके बावजूद वे वर्ष 2015 से सरकारी राशन योजना का लाभ लेते रहे। इसी आधार पर अब उनसे सरकारी अनाज की कीमत की वसूली की जा रही है। जारी नोटिस के अनुसार बान्दू गांव के किशोर साहू से 2,40,128 रुपये, रामचंद्र साहू से 60,032 रुपये तथा ईश्वरी साहू से 60,032 रुपये की वसूली की बात कही गई है। वहीं पोटम गांव के संतोष तिर्की से 1,20,064 रुपये एवं विमला देवी से 1,20,064 रुपये, चुकरू गांव के सुनील कुमार रजक से 90,048 रुपये, कोलकोले गांव के मो. अली से 55,104 रुपये एवं मंजर आलम से 1,50,080 रुपये की राशि जमा करने का निर्देश दिया गया है। इसी प्रकार शिवराजपुर गांव के मनीष टोप्पो से 1,20,064 रुपये तथा सेमल उरांव से 69,216 रुपये की वसूली की बात कही गई है। जिला आपूर्ति शाखा ने सभी संबंधित लाभुकों को निर्देश दिया है कि नोटिस प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर निर्धारित सरकारी खाते में राशि जमा कर चालान की प्रति कार्यालय में उपलब्ध कराएं। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपात्र होकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वालों के विरुद्ध सत्यापन अभियान आगे भी जारी रहेगा। दोषी पाए जाने वाले लाभुकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अपात्र लाभुकों से स्वेच्छा से अपना राशन कार्ड सरेंडर करने की अपील भी की है।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

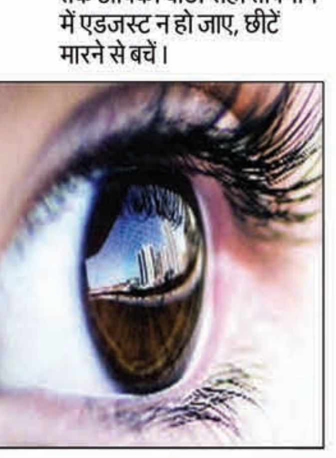

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ट्ट्र के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

गावस्कर ने चुनी 2027 विश्वकप के लिए संभावित टीम! आकाश-अश्विन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 में अभी करीब 14 महीने का समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 2023 विश्व कप में उपविजेता रहने वाली टीम इंडिया 2027 में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। मौजूदा टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 2027 विश्व कप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी है। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस टीम का विश्लेषण करते हुए इसे काफी संतुलित बताया।

सुनील गावस्कर की संभावित भारत टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, गावस्कर ने शीर्ष क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। उनकी टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को जगह मिली है> विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल टॉप-5 में हैं। यह लगभग वही बल्लेबाजी क्रम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में था। ईशान किशन इस समय लगातार रन बना रहे हैं और इस प्रारूप के लिए तैयार नजर आते हैं।'

दूसरी ओर, रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित विश्व कप टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल करने की वकालत की है। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर उपयोगी साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार मेरी टीम में जरूर होंगे। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें घरेलू क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा, ताकि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों के लिए वह पूरी तरह तैयार रहें। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली। वनडे बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय हैं। शुभमन टॉप पर काबिज हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे नंबर पर हैं। गिल ने पिछले हफ्ते मिचेल से बादशाहत छीनी थी। भारत ने आखिरी वनडे 19 जुलाई को

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें और पाकिस्तान के बाबर आजम छठे पायदान पर हैं। नीदलैंड और नेपाल के तीन-तीन खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। मेंस वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। नीदरलैंड टीम जारी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कॉम्पिटिशन में अच्छी फॉर्म में है। हाल ही में उसने यूट्रेक्ट में नेपाल को 57 रन से शिकस्त दी। नीदरलैंड की नजर अब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर इवेंट में एंट्री करने पर है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली, जिससे नीदरलैंड ने लीग 2 टेबल में टॉप चार में अपनी जगह पक्की कर ली। एडवर्ड्स वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में 4 पायदान चढ़कर 34वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे बॉलर रैंकिंग में नीदरलैंड के स्पिनर वैन डेर मर्व 11 स्थान की छलांग लगाई। वह अब संयुक्त रूप से 63वें स्थान पर आ गए हैं। लोगान वैन बीक तीन स्थान ऊपर 76वें पर पहुंच गए। उन्होंने मैच में दो विकेट चटकाए थे। नेपाल के भी तीन खिलाड़ियों का फायदा हुआ है। ललित राजबंशी (एक स्थान ऊपर 45वें पर) और करण केसी (सात स्थान ऊपर 83वें पर) वनडे बॉलर्स की अपडेटेड लिस्ट में आगे बढ़े हैं। नेपाल के आसिफ शेख दो स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में 76वें नंबर पर आ गए।

शाकिब के घर पर हमला पत्थर-पेट्रोल बम फेंके

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। यह दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। गनीमत यह रही कि हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब ने सांसद रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में खेलना नहीं छोड़ा। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

मेरा रिकॉर्ड शायद वैभव तोड़ेगा

बटलर के बनाया टी-20 में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

सूर्यवंशी को लेकर जोस ने की भविष्यवाणी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के बाद बटलर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने महज 20 गेंदों में नाबाद 51 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 250 का रहा। इसी पारी के दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने कुल रन 14,833 तक पहुंचा दिए।

बटलर ने इस मामले में किरोन पोलार्ड (14,803 रन) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले लंबे समय तक यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (14,562 रन) के नाम था। बटलर ने 522 टी20 मैचों में नौ शतक और 105 अर्धशतकों की मदद से यह उपलब्धि हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी का लिया नाम

रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बटलर ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि भविष्य में कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया। बटलर ने कहा, 'यह सोचकर बहुत अच्छा लगता है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन मेरे नाम हैं। एक दिन कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा और शायद उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा। लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए गर्व का पल है।'

खराब फॉर्म से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने माना कि कुछ महीने पहले उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट बहुत जल्दी बदल जाता है। कुछ महीने पहले मैं अपनी फॉर्म से जूझ रहा था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुझे लग रहा है कि मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। आपके पास केवल दो विकल्प होते हैं- या तो हार मान लें या फिर ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की कोशिश करें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और उसी पर ध्यान केंद्रित किया।'

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने मैट शॉर्ट के 71 और फिल सॉल्ट के 48 रन की बदौलत 100 गेंदों में चार विकेट पर 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जबकि पॉल वाल्टर ने 18 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली। बटलर की नाबाद 51 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

कोच गंभीर की खिलाड़ियों को नसीहत

मानसिक और शारीरिक रूप से सभी तैयार रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जुनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

पहलवान दीपांशु डोप में फंसे नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई। उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

विदेशी धरती पर तीन साल बाद टेस्ट जीता पाकिस्तान

टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में ये आया बदलाव

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	श्रीलंका	4	1	1	2	20	41.67
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	38	24.36
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	16	22.22
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट की जीत दर्ज कर दोहरा फायदा हासिल किया। एक ओर टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में एक स्थान की छलांग लगाई, वहीं दूसरी ओर विदेशी सरजमीं पर तीन साल से चली आ रही जीत की तलाश भी खत्म कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में मिली यह जीत पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई।

दूसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान अंकतालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद टीम अब आठवें स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत बढ़कर 22.22 हो गया है, जबकि वेस्टइंडीज एक स्थान नीचे खिसककर नौवें नंबर पर पहुंच गया।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कैरेबियाई बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 117 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की जीत में स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान की अहम भूमिका रही। दोनों ने चार-चार विकेट लेकर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को ध्वस्त कर दिया।

75 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

जीत के लिए 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम-उल-हक जल्दी आउट हो गए, जबकि अजान अवैस भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाज 24-24 रन बनाकर नाबाद लौटे और पाकिस्तान ने केवल दो विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिपः आयुष की पहले ही दौर में मौजूदा चैंपियन शी यूकी से भिड़ंत, सिंधू-लक्ष्य को आसान शुरुआत

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ियों को मिला-जुला मुकाबला मिला है। एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के स्टार शी यूकी का सामना करना होगा। वहीं, पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर में अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं। 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत 17 साल बाद कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की विश्व नंबर 141 सोफिया नोबेल के खिलाफ करेंगी। सिंधू विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। ड्रॉ के अनुसार सिंधू पदक दौर से पहले दुनिया की नंबर एक एन से यंग (दक्षिण कोरिया) और मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची (जापान) से भिड़ने से बच गई हैं। हालांकि, प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से हो सकता है, जबकि क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीय पुत्री कुसुमा वारदानी चुनौती बन सकती हैं। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कोलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन से भिड़ेंगे। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से संभावित मुकाबला हो सकता है। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कठिन ड्रॉ आयुष शेट्टी को मिला है। उनका पहले ही मैच में चीन के शीर्ष खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी से सामना होगा। आयुष अब तक शी यूकी के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुके हैं, लेकिन हालिया मुकाबलों में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी है।

वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय 'पद्मभूषण युगतुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत तुलसी शोध संस्थान ने वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दुस्थान समाचार के समूह संपादक रामबहादुर राय को 'पद्मभूषण युगतुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया। रामबहादुर राय को गुरुवार को भोपाल के तुलसी मानस प्रतिष्ठान में आयोजित भक्ति संगीत एवं अलंकरण समारोह वर्ष-2026 का यह सम्मान पत्रकारिता, राष्ट्रचिंतन, संस्कृति और समसामयिक विषयों पर उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। वे वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष भी हैं। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं राष्ट्रचिंतक रामबहादुर राय ने कहा कि पद्मभूषण युगतुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय ने गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस की अद्वितीय एवं सहज व्याख्या कर उसे जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने बताया कि पं. रामकिंकर उपाध्याय ने लगभग 80-85 ग्रंथों की रचना की, जिनका सुव्यवस्थित संकलन भी किया गया है। उन्होंने मात्र 19 वर्ष की आयु में प्रेममूर्ति भरत की रचना की, जिसमें श्री रामचरितमानस के पात्र भरत के निष्कलुष प्रेम, त्याग और आदर्श चरित्र का अत्यंत मार्मिक एवं भावपूर्ण चित्रण किया गया है। संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग संबोधन में कहा कि पं. रामकिंकर उपाध्याय ने श्री रामचरितमानस की व्याख्या के माध्यम से भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्यों को विश्वभर में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार भारतीय ज्ञान, साहित्य, संस्कृति और अध्यात्म की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले विभूतियों के सम्मान का माध्यम है। रामबहादुर राय का योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। समारोह में संस्कृति संचालक एनपी नामदेव ने प्रशस्ति वाचन किया तथा दीदी मंदाकिनी श्रीरामकिंकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पहले स्वागत उद्बोधन में अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यह सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्रचेतना के उन शाश्वत मूल्यों का अभिनंदन है, जिनका संवर्धन पद्मभूषण पं. रामकिंकर उपाध्याय ने अपने जीवन भर किया। उन्होंने कहा कि रामबहादुर राय ने पत्रकारिता को राष्ट्रनिर्माण का माध्यम बनाकर सत्य, वैचारिक प्रतिबद्धता और भारतीय दृष्टि को सशक्त अभिव्यक्ति दी है।

एक नजर

लोकसभा ने कराधान और अन्य कानून विधेयक-2026 को दी मंजूरी

नई दिल्ली : लोकसभा ने गुरुवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक-2026 को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। सदन ने इस विधेयक में कुछ संशोधन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। लोकसभा से बिना किसी चर्चा के पारित इस विधेयक का मकसद पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' में बदलाव करना है, जिससे 'यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस' (यूपीआई) पर 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) लागू हो सकता है। इस अधिनियम में बदलाव के अलावा विधेयक में 'फाइनेंस एक्ट 2026' और 'इनकम टैक्स एक्ट 2025' में संशोधन करने और विदेशी निवेशकों को टैक्स में छूट देने के लिए जून में जारी अध्यादेश को रद्द करने का भी प्रस्ताव है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मंगलवार को लोकसभा में ह्यकराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026ह्ल को पेश किया था। सीतारमण ने इस विधेयक को सदन में पेश करते हुए बताया था कि सरकार का 'कराधान और अन्य कानून विधेयक-2026' लाने का मकसद देश के कर प्रणाली में बड़े बदलाव का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद विनिर्माण को बढ़ावा देना, विदेशी निवेश आकर्षित करना एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उभरते सेक्टर को सपोर्ट करना है। वित्त मंत्री ने कहा कि इसका मकसद फंड मैनेजमेंट के नियमों को आसान बनाना, टैक्स इंसेंटिव बढ़ाना और कुछ खास विदेशी संस्थाओं को छूट देना है।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों को कांग्रेस का समर्थन

नई दिल्ली: कांग्रेस ने झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन का ऐलान किया है। पार्टी के झारखंड प्रभारी के राजू ने कहा कि कांग्रेस न्याय की मांग कर रहे छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास जारी रखेगी। राजू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि झारखंड युवा कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के नेताओं ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव के साथ रांची में आंदोलनरत छात्रों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। राजू ने मुख्यमंत्री द्वारा छात्रों की मांगों पर सकारात्मक और संवेदनशील रुख अपनाते हुए मंत्रिस्तरीय समिति गठित करने के निर्णय का स्वागत किया।

लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय गृहमंत्री व अन्य ने सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने गुरुवार को पूर्व विदेश मंत्री पद्मविभूषण सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, ₹पूर्व विदेशमंत्री पद्म विभूषण दिवंगत सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! अपने प्रखर उद्बोधन, संवेदनशील नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण से सुषमा ने भारतीय राजनीति में एक विशिष्ट स्थान बनाया। राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यशैली और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव प्रेरक रहेगी। शाह ने कहा कि सुषमा स्वराज ने अपने अनुशासन, कर्मठता और संघर्षशीलता के बल पर संगठन से लेकर सरकार तक सभी दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन किया। विदेश मंत्रालय को आम जन से जोड़ने वाली उनका सादगीपूर्ण जीवन सदैव स्मरणीय रहेगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सुषमा स्वराज एक प्रभावी वक्ता होने के साथ-साथ अपने सहज और सौम्य व्यवहार के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने अपने प्रभावी व्यक्तित्व, संवेदनशील नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति अपने समर्पण से भारतीय राजनीति और राजनय पर अमिट छाप छोड़ी। भारत की आवाज को विश्व मंच पर मजबूत करने में उनका योगदान हमेशा याद किया जायेगा।

सीबीआई ने अभिजीत सरकार हत्याकांड में घोषित भगोड़े आरोपित को गुवाहाटी से किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े अभिजीत सरकार हत्याकांड में घोषित भगोड़े आरोपित अरूप दास उर्फ बापी दास को असम के गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 2021 में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था। सीबीआई ने गुरुवार को बताया कि आरोपित जांच और न्यायिक प्रक्रिया में कभी शामिल नहीं हुआ। उसकी गिरफ्तारी के लिए एजेंसी ने 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। खुफिया सूचना और तकनीकी इनपुट के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के 19 अगस्त 2021 के आदेश के अनुपालन में 25 अगस्त 2021 को कोलकाता के नारकेलडांगा थाने में दर्ज प्राथमिकी अपने हाथ में लेकर मामले की जांच शुरू की थी। मामला 2 मई 2021 को सीतलातला लेन में अभिजीत सरकार की कथित हत्या से संबंधित है। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने वर्ष 2021 और 2025 में 38 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र और पूरक आरोपपत्र दाखिल किए थे। इनमें अरूप दास उर्फ बापी दास के अलावा तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस विधायक परेश पाल तथा तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस पार्षद स्वपन समद्दार और पापिया घोष भी शामिल हैं। मामला फिलहाल कोलकाता के सिटी सेशंस कोर्ट में विचाराधीन है।

संक्षिप्त खबरें

तकनीक और ऑटोमेशन से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने घटाई परिचालन लागत

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE

मुंबई : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने प्रौद्योगिकी और स्वचालन के जरिए लागत कम करने के अन्य उपायों में निरंतर निवेश किया है। इसकी वजह से वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बचत व्यवसाय के लिए उसका लागत अनुपात (कॉस्ट-टू-प्रीमियम रेशियो) घटकर 13.6% रह गया है। कंपनी का व्यवसाय बढ़ने के बावजूद, पिछले साल के मुकाबले इसमें 50 आधार अंक की कमी आई है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, श्री गणेशन सौंदिरम ने इस बारे में अपनी टिप्पणी में कहा, ₹आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में, कंपनी के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए किए गए निवेश से न सिर्फ हमारे ग्राहकों का सशक्तिकरण हुआ है, बल्कि हमें भी पॉलिसी के पूरे सफर के दौरान उन्हें बेहतर अनुभव प्रदान करने में मदद मिली है। हम ग्राहक बनाने, वितरक की क्षमता बढ़ाने, सेवा प्रदान करने और परिचालन क्षमता को बेहतर बनाने के लिए एआई, एनालिटिक्स और आईसीआईसीआई प्रू पार्टनर स्टैक, आईपीआरयू एज जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

कांवड़ मेले के आठवें दिन हरिद्वार से 39 लाख से अधिक कांवड़िये गंगाजल लेकर रवाना

हरिद्वार: श्रावण मास के कांवड़ मेले में आठवें दिन भी हरिद्वार में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। आठवें दिन गुरुवार को 39 लाख 15 हजार से अधिक कांवड़िये उत्तराखंड के हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। मेला कंट्रोल रूम में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम से गुरुवार शाम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अब तक गंगाजल लेकर प्रस्थान करने वाले शिवभक्तों की कुल संख्या दो करोड़ 19 लाख 70 हजार को पार कर गई है। गुरुवार को हर की पैड़ी सहित हरिद्वार के विभिन्न घाटों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने गंगाजल भरा। दिन भर हुई भारी बारिश भी शिव भक्त कांवड़ियों का उत्साह कम नहीं कर सकी। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए कांवड़ मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस, प्रशासन तथा अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुस्तैदी से तैनात हैं।

कैबिनेट : गोबरधन योजना मंजूर, बायोगैस उत्पादन में दस गुना वृद्धि का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली : केन्द्र सरकार ने 23,731 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना 'गोबरधन' को मंजूरी दी है। योजना घरेलू संपीड़ित बायोगैस उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि लाने और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायक होगी। इसका उद्देश्य देश में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कृषि अवशेषों, गोबर, प्रेस मड, नगरपालिका के जैविक कचरे और अन्य जैव-द्रव्यमान संसाधनों को स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद, ग्रामीण आय और राष्ट्रीय आर्थिक मूल्य में परिवर्तित करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गोबरधन योजना को आज मंजूरी दी। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी और संपीड़ित बायोगैस को भारत के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण का एक प्रमुख स्तंभ स्थापित करेगी। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने गुरुवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोबरधन योजना के प्रभाव से भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। योजना से घरेलू सीबीजी उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि का लक्ष्य है, जिससे आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा आत्मनिर्भरता मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि स्थिर मूल्य निर्धारण, पूंजी सहायता और ऋण गारंटी जैसे प्रावधान निजी निवेशकों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, सहकारी समितियों तथा ग्रामीण उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाएंगे। कृषि अवशेष, गोबर और जैविक कचरे के वैज्ञानिक उपयोग से अपशिष्ट प्रबंधन बेहतर होगा, किसानों की आय के नए स्त्रोत विकसित होंगे, जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी।

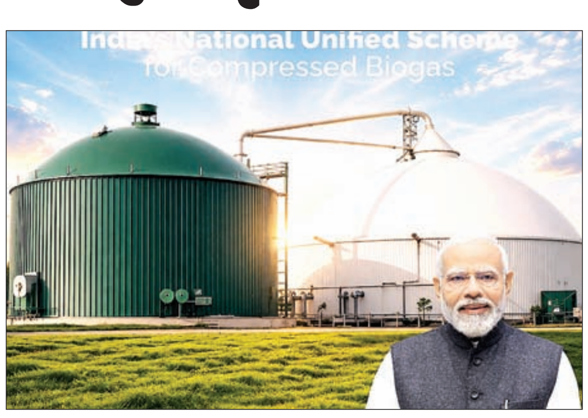

मध्य प्रदेश के हरित ऊर्जा के लिये किये जा रहे कार्यों की विश्वभर में चर्चा : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सबसे तेज गति से कार्य कर रहा है। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के उत्पादन के प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। इस तरह का ऊर्जा उत्पादन 24 घंटे होगा। इस पर कार्य जारी है और मध्य प्रदेश द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्य की विश्वभर में चर्चा होगी।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश हरित ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

मध्य प्रदेश 8 राज्यों को कर रहा ऊर्जा आपूर्ति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया "एक्स" में एक संदेश में कहा कि मध्य प्रदेश भारतीय रेलवे सहित 8 राज्यों में ऊर्जा की आपूर्ति का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश आने वाले समय में स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में गुरुवार को केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ सातवें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन और प्रदर्शनी में सम्मिलित होकर मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा मॉडल, निवेश अनुकूल नीतियों और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति से सभी को अवगत करवाया गया है। उन्होंने कहा कि गत 02 वर्ष में राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा, पंप्ड हाइड्रो ऊर्जा भंडारण और बायोमास नीतियां लागू कर निवेश और नवाचार को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि आगर-शाजापुर-नीमच सौर परियोजना में 2.14 रुपए प्रति यूनिट का रिकॉर्ड न्यूनतम सौर टैरिफ प्राप्त हुआ है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ऐसे प्रयासों के कारण ही मध्य प्रदेश द्वारा भारतीय रेलवे सहित 8 राज्यों में हरित ऊर्जा उपलब्ध करवाया जाना संभव हो सका है। यह गर्व करने योग्य उपलब्धि है।

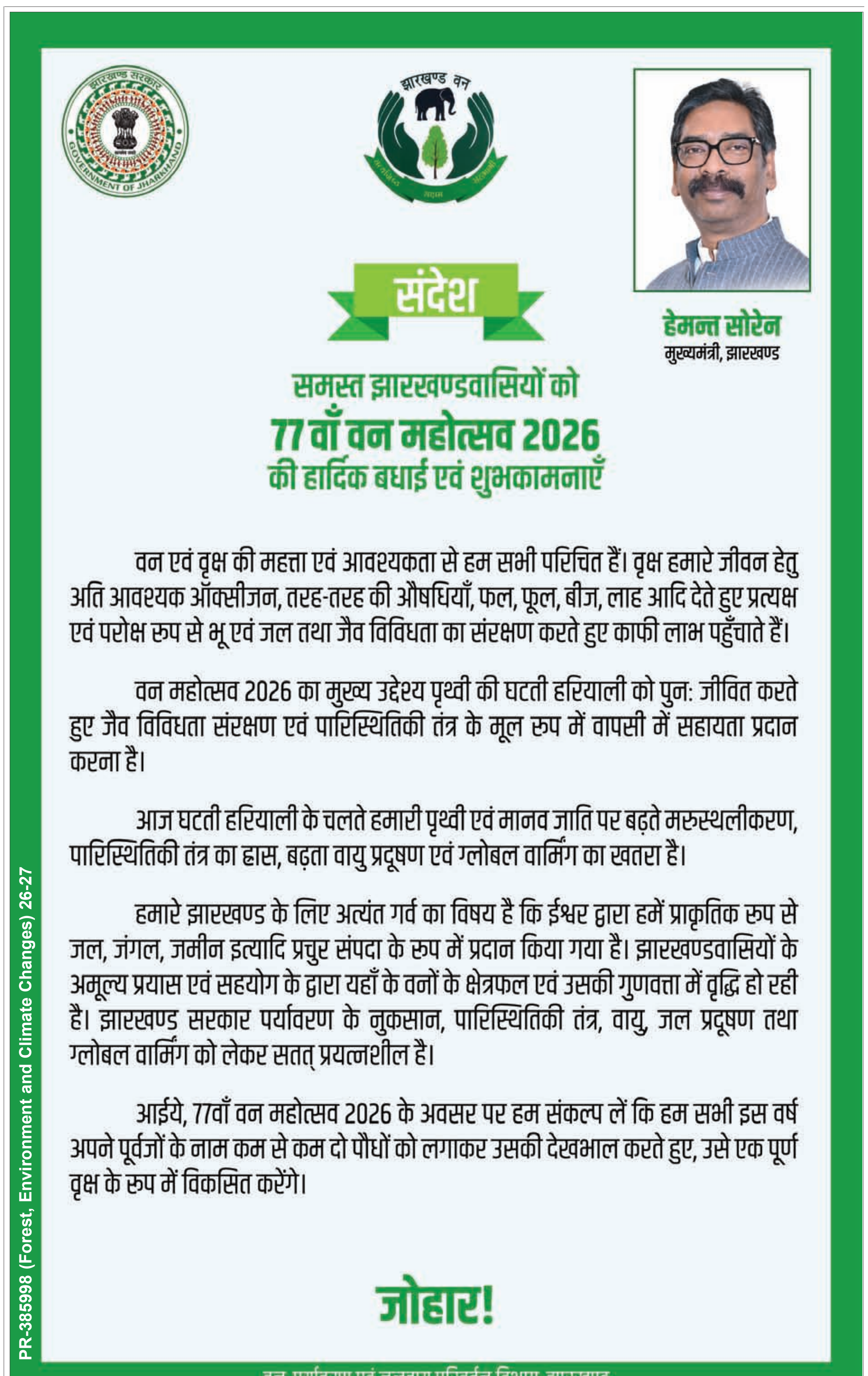

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902